ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS

Copyright ANGP

www.angp-hb.co.za

info@angp.co.za

मनैन्के हृदय

आत्मिक हृदयके दर्पण (मन दर्पण)

(दश चित्रक रुपमे बयान)

यी किताव अपन दश चित्रक बयान सहित पहिले फ्रान्स देशमे सन् १७३२ ई. मे प्रकाशित हुइल रहे । यी किताब 'मनके दर्पण' या दिलके किताब फेन कही जाइथ । यी किताबके धर्मशास्त्रिक सत्यता ओ उपयोगिताके कारण यूरोप ओ अफ्रिका देशमे सक्कु भाषा प्रचलित बा, आचे सक्कु जातके मनै या सक्कु विश्वासी मनै यी किताब पढ्ती बताँ । यी किताबके अपन अलग उपयोगिता बतिस् । ओहेक ओरसे यी किताबके माग दिने दिन बढ्ती जैति बा ।

यी छोटमोट किताब अफ्रिका देशके जीवन प्रथा ओ सोच विचारके ढगसे लिखलबा और अफ्रिका देशके धेर भाषामे छाप चुकलबा । जेकर कारण अफ्रिका देशमे बैठ्ना मनैन्के घरघरमे औइनके हृदयमे बैठक पैलेबा । यी किताब पढ्के बहुत जाने पुरान नियम भुलाके परमेश्वरके यी प्रतिज्ञाके सत्यताके अनुभव कैले बताँ कि, 'मै तुहिन लावा मन देम, और तोहार भीत्तर लावा आत्मा जन्मइम्' (यहेज ३६:२६)। लावा नियममे इब्रानियों ८:१० मे यह पुरा हुइलबा ।

Copyright ANGP

मनैन्के मन (हृदय)

परमेश्वरके मन्दिर ओ भुतन्के काम कैना ठाउँ

(१ युहन्ना ३:४-२०)

यी किताब कौनो लावा किताब नै हो। सबसे पहिले फ्रान्स देशमे २ सय वर्ष पहिले निकरलक हो। यी किताब पढ्के हजारौ हजार मनै धेरधेर आशिष पैले बताँ। काहेकी जैसिक परमेश्वर मनैनके भित्तरके अवस्था देख्था ठीक ओस्तेक ननहे हमरहिन फेन हमार भित्तरके मनके अवस्था देखाइकलक यी किताब परस्त रुपमे देखाइले बा। यी पन्नामे धेर पापी मनैन्के हृदयके अवस्था देखाइलबा, ओ पापपूर्ण हुइलक मनै पश्चताप(परमेश्वरसे क्षमा मागके) लावा हृदय ओ लावा आत्मा पइले बताँ।

जब अपनीन्के यी किताब पढ्बी, तब कृपया अपनीन्के यी किताब अपनीन्हे देखे सेक्ना समझके पढ्बी,चाहे अपनी दोसर धर्म मन्ना मनै हुई, चाहे खीष्टियन धर्म मन्ना मनै हुई, चाहे प्रभु येशू खीष्टमे विश्वास नै कैना मनै हुई, चाहे विश्वास कैके छोड्लक मनै हुई। यी किताब पढे बेर परमेश्वर अपनीक भित्तरके अवस्थाहे देखादिही, काहेकी परमेश्वर केकरो पक्षपात कब्बो नैकरथा। परमेश्वरते मनैन्के हृदयके अवस्था हेरक चाहथा।

शैतान सक्कु फतहानके बाबा हो, अन्धकारके मलिकवा ओ संसारके देवता हो। ओहेक ओर्से अपनहे ज्योतिर्मय स्वर्गदूतके रुपमे घमण्ड करथ ओ धेर मनैन्हे झुक्याइले बा। पहिलक-पहिलक समय जैसिन आजकालके खीष्टके चेलाके भेष लेके नेंगना ठग्गा प्रचारक धेर बताँ। यी अचम्मक बात नै हो सघारिनके, काहेकी मनैनके मलिकवा

Copyright ANGF

शैतान अपनेहे फेन ज्योतिर्मय स्वर्गदूतके भेषके रुप लेलेबा (२ कोरिन्थी ११:१३,१४)। परमेश्वरके प्रेम, महिमा ओ उहाँक श्रेष्ठताहे ओ मुक्तिदाता प्रभु येशू खीष्टहे मनै देखे नैसेकीत ओ देखना इच्छा फेन नै लागिन कहिके शैतान यी संसारके देवता समझके सक्कु मनैन्हे आँधर समझले बा (२कोरिन्थी ४:४)। सक्कु पापी मनै येशू खीष्टमे विश्वास नैकैना मनै आत्मिक रुपसे मरल बताँ। ओ मनै परमेश्वरहे चिन्हे नैसैकित ओ मनैन्के राज्यमे शैतान देवतनके आत्मा राज्य करी कहिके शैतान सोचथ (एफिसी २:२)। अपन पतित् ओ दुखक अवस्था हेरकलग मनै अपन आँखी नै उघारित, मनै जिन्गीभर नाश हुइना डग्रा ओर दौर्ति रहि। मोरमे पाप नै हो, कहिके अपनेहे धोखा देथा।

जब अपनीन्के यी किताब पढ्बी ओ यी किताबमे हुइलक फोटोहे मजासे हेर्बी तब अपनीन्के अपनीहे हृदयहे देखे सेक्बी। परमेश्वरके ओज्रार(प्रकाशहे) अपनीक हृदयके अवस्था देखाईदेवी। अपन पाप स्वीकार कर्बी ओ मोरमे पाप नै हो, कहिके नैकहबी काहेकी परमेश्वरके वचन वक्ता बाइबलमे हमरहिन् अइसिक बताइथा कि, 'यदि हमारमे पाप नै हो, कहिके हमरे कहवी कलेसे हमरे अपनहे- अपनेहे धोखा देबि ओ सत्य नैहुइबी। यदि हमरे अपन पापंहे स्वीकार करब कलेसे परमेश्वर हम्रहिन् क्षमा कर्ही, ओ सक्कु अधर्मसे हम्रहिन् पाप नैरहल शुद्ध बनैही। काहेकी परमेश्वर विश्वासयोग्य ओ धर्मी बतां (१ युहन्ना १:८-९)। परमेश्वरके छावा येशू खीष्टके रगतसे किल हमार सक्कु पाप क्षमा हुइथ।

अपनीन्के मन भित्तर कि भुत राज्य कैले हुई कि परमेश्वर राज्य कैले हुइही। अपनी पापी मनै हुइ कि परमेश्वरके सेवा कैना मनै हुइ। यदि अपनी पापके अधिनमे बती कलेसे यी बात नैठगके बरु परमेश्वरसे

Copyright ANGP

कही । अपनीन्हे खीष्ट येशूसे किल छुट्कारा मिलि, काहेकी हमारमे रहलक पाप, भुतन्के शक्तिहे तुरके सक्कु पापी मनैन्हे बचाइकलक प्रभु येशू खीष्ट यी संसारमे अइला ओ हमार मुक्तिदाता हुइत् । अव अपनी पवित्र परमेश्वरके संगे बती, परमेश्वर अपनिक जीवनके सक्कु भित्तरके बात ओ भित्तरके चाहन्ना ओ कामहे जान्था । अपनि अपनहे ओ अपन सक्कु काम काज परमेश्वरके आगे लुकाई नैसेक्बी काकरेकी 'जे हम्रहिन् कान देला, उहाँ अपनेहे नैसुनही ते ? जे आँखी उघ्रा देला, उहाँ अपनेहे नैदेखही ते ?'(भजनसंग्रह ९४:९) ।

'जेकर मन परमेश्वरकेमे भगत बा, ओइनके सहायता ओ शान्ति देहक लग सारा पृथ्वी भर परमेश्वरके हेराई रहलकरी ।' (२ इतिहास १६:९)

परमेश्वरके हेराइ मनैन्के चाली बानीमे रहल बा, ओ मनैन्के नेगाइके हर पाइलाहे परमेश्वर देख्था । कौनो घोर अंधार ठाउँ नै हो, जहाँ नैमजा काम कैना दुष्ट मनै परमेश्वरके आगे लुके सेकथ (अय्युब ३४:२१,२२) ।

लेकिन 'येशू अपनहे मनैन्के भरमे नै छोड्ला काकरेकी उहाँ मनै के हो, कहिके जानित वा (चिनिहित) , उहांहे मनैन्के बारेमे केउ फेन सिकाई नैपरी काहेकी मनैन्के मनमे का रहथ कहिके उहाँहे पत्ता बतिन् ।'(यहन्ना २:२४,२५)

'ऊ धन्यके बा, जेकर अपराध क्षमा हुइलबा, ओ पाप छोपलबा । ऊ मनै धन्यके हो, जेकर अधर्मक लेखाजोखा परमेश्वर अपन थेन नैरखही ओकर आत्मामे छल कपट नै हो' (भजनसंग्रह ३२:१,२) । येशू आज फेन हम्रहिन बलैती बता, 'हे सक्कु थाकल् मनै ओ बोझसे दबल मनै मोर थेन आउ, मै तुहिन् विश्राम देम' (मत्ति ११:२८) ।

Copyright ANGP

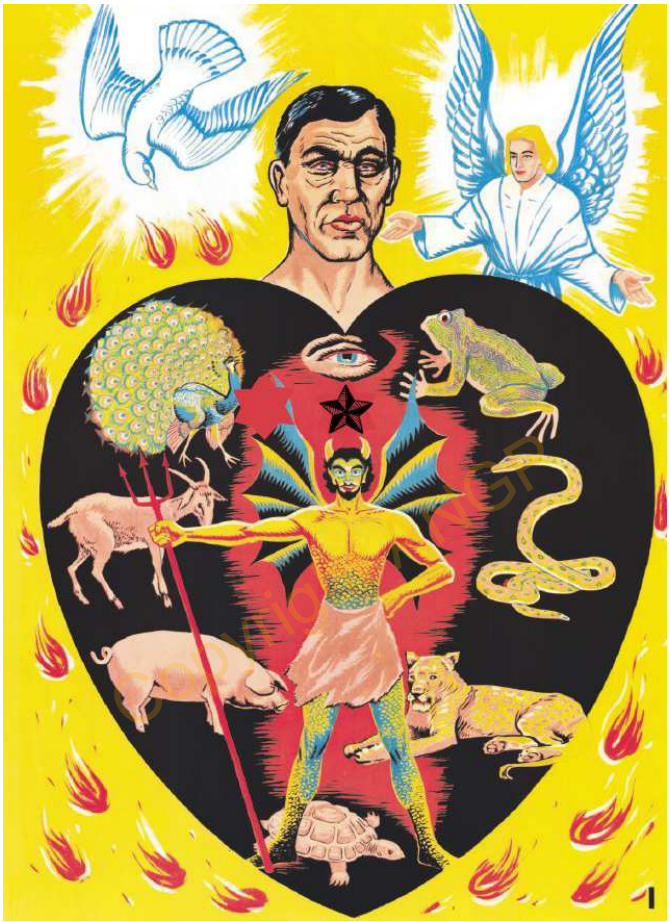

१ पापी मनैन्के हृदय

एक नम्बरके चित्र : पापी मनैन्के हृदय :-

यी चित्र एकथो पापी ओ लावा जीवन नै पइलक थारु ओ जन्नीन्के मनहे देखैले बा अथवा ओडसिन मनैन्हे देखाइथ, जेकर उपर

संसारिक आत्मासे शरीरके अभिलाषा ओ कामनाके प्रभुत्व कैले बा, ओकर मनके सही चित्र यहे हो,परमेश्वर पापी मनैन्हे अइसिक देखैथा। जैसिक (हितोपदेश २३:२९-३३) मे बयान कैल बा। 'किहि हे दु:ख बा ? किहिहे शोक बा ? के झगडामे फसी ? के कुलतमे परी ? किहिहे विनाकारण खतरा होइ ? केकर आँखी लाललाल हुई ? टुहुरिन मनसे जे अवेरसम् दारु पियथ, जे मसला मिलाके अंगुरके दारु चिखल करथ। जब अंगुरके दारु लाल विलगाइथ, तब ओकर रंग खोरियामे खोब सुघर बिलगाइथ जब एहोर ओहर हिलथ, तब तुहरे उहीहे नाहेरो काहेकी अन्तमे दाखमद्य (अंगुरके दारु) सापन्के नन्हे काट्के विष छोडथ। तोहार आँखी अचम्म- अचम्मके चिज देख्था, ओ तोहार मनमेसे नैमजा बातचित निकरथ।'

यी चित्रक उपर ओर मनैन्के हृदय देखाइलबा, जेकर भित्तर धेर मेरके जीव--जन्तु वास कैले बताँ। यईने मनैन्के हृदयमे रहीके धेर प्रकारके पापके संकेत कैले बताँ। काहेकी मन नै हमार पापके वास स्थान ओ वैठक हो। परमेश्वर हम्रहिन्संगे यर्मिया भविष्यवक्तासे अइसिक बोल्था "मनैन्के मन सक्कु चिजसे छली रहथ ओ यी अत्ना खराब रहथ, उहीहे के जाने सेकी ते ?" (यर्मिया १७:९)। प्रभु येशू खीष्ट अपनेहे यी वचनहे अइसिक स्पष्ट पारके बतइथा 'भित्तरसे अर्थात् मनैन्के हृदय मन्से खराब विचार, व्यभिचार, परस्त्रीगमन, हत्या, चोरी, लोभ, दुष्टता, छल, कामुकता, नैमजा हेराइ, निन्दा, घमण्ड, मुर्खता आदि निकर जाइथ, ओ मनैन्हे अशुद्ध पारथ' (मर्कस ७:२१-२३)।

१) मंजोर (मयूर):-

मंजोर कति किल सक्कु मनै प्रसंसा कैथा लेकिन यहाँ यकर अर्थ मन भित्तरके घमण्ड अहँकार अइसीन् पापके संकेत करथ। लुसीफर,

Copyright ANGP

परमेश्वरके वचनसे भरीपूर्ण ईश्वरके ज्योति धारणाकैना ओ एक समयमे परमेश्वरके स्वर्गदूत रहे । ओकर घमण्डके कारण पतित् हुके, परमेश्वर उहिहे स्वर्गमन्से गिरादेला ओ यहेकारण परमेश्वरके शत्रु शैतान(भुत) बनल् बा । (यशैया १४:६-१७)

घमण्ड नरक–कुण्डसे जन्म लेके, अपनहे धेर तरीकासे प्रकट करथ । कौनो मनै अपन धन–सम्पतिमे घमण्ड करथौ, केउ उच्च शिक्षामे घमण्ड करथा, कलेसे केउ अपन फेसनके कपडा लगाके घमण्ड करथा, केउ अपन शरीर नाङ्गे देखाके, केउ अपन गहना, चुरीया, मुडरी देखाके घमण्ड कैथा । जैसिक (यशैया ३:१७-२४)मे स्पष्ट रुपमे बयान कैले बताँ । केउ अपन बाबनके, पुर्खा, राष्टियता, संस्कृति ओ खेल तमाशामे घमण्ड करथा, ओ यी बात भुल्ही कि, "परमेश्वर घमण्डी मनैन्के विरोध कैथा, ओ नम्र मनैन्हे अनुग्रह(माया) कैथा" (१पत्रुस ५:५) । 'नाशके आगे अहंकार ओ पतनके आगे अभिमान आइथ" -हितोपदेश १६:१८ ।

२) बोकुवा (बोको):-

बोकुवा छेग्रा कामवासनासे लम्पत रहल गन्धैना जनावर हो । शरीरके वासना, अनैतिक, व्यभिचार, परस्त्रीगमनके चिन्ह हो । अइसिन् भावनासे निकरलक पाप यी आधुनिक युगके 'अन्तके दिनमे सदोम ओ गमोराके दिन जैसिन हुइना बा' कहिके खीष्ट कहथा, करीब २००० वर्ष आगे भविष्यवाणी कैलक बात आज सत्य रहलक खबर आइल् बा । यी आधुनिक आत्मा खाली थरुवा'ओ मेहरुवान्हे किल नैपक्रले हो । यी मनैन्के धार्मिक घर, संस्था, स्कुल ओ छात्रावासहे समेट पक्रले बा । भुतन्के धेर धुर्तता ओ चलाखीसे यी संसारमे विनाशके बियाँ सलीमामे, नाचमे, धेर अनैतिक कथामे, उपन्यास आदिमे अश्लिल साहित्य ओ

Copyright ANSP

अइसिन धेर उपायसे मनैन्के हृदयमे भरल बतिन्। जौन चिज परमेश्वरके नजरमे पापपूर्ण बा, ओहे मनैन्के नजरमे आधुनिक नैतिक शिक्षा हो, कहिके सम्झले बताँ। लाखौं जवान दादु, भईवा ओ दिदि, बहिनियन्के अपन जीवनहे सलीमा(फिल्म) ओ उपन्यासके आधारमे निर्माण कैथा, लेकिन यी चिज ओइनके जीवनमे आपत्ति, लाज ओ शोकमे पुर्याइथिन्। अनैतिक ओ छाड्वा जीवन बितैना, सलीमाके पात्र, खेलाडी ओ हिरो हिरोइन् यी समयमे आदर्श वीर हुइत्। परमेश्वरके पवित्र जन युसुफ जैसिन मनैन्हे अब केउ फेन आदर्श वीरके रुपमे नै गन्थिन्। जल जात जैसिन असभ्य समाजमे व्यभिचार(अपन जन्नी छोड्के दोसर जनहन्से आँख लडैनाहे मृत्य दण्ड देना चलन बतिन्। अइसीन असभ्य जातफेन आजकालके सभ्य समाजहे सहायता करले बा यकर बारेम् परमेश्वर हम्रहिन्से अइसीक बात कैथा। 'व्यभिचारसे अलग बैठना, ओ चाहे जैसिन् पाप जौन मनैया करी ऊ पाप, ओकर शरीरसे वाहर रहथ लेकिन व्यभिचार कैना मनै अपन विरोधमे पाप करथ। तुहिनके शरीर पवित्र आत्माके मन्दिर हो। जौन पवित्र आत्मा तुहरे परमेश्वरसे पैले बतो, ओ परमेश्वर तुहिन्के भित्तर वास बैठक चाहथा,का तुहिन्हे थाहा नै हो ? तुहरे स्वयम् अपन नै हो। कौनो मनै परमेश्वरके मन्दिरहे नास करी कलेसे , परमेश्वर उहीहे नास पर्ही, काहेकी परमेश्वरके मन्दिर पवित्र रहथ, ओ उ मन्दिर तुहरे सक्कु जाने हो (१कोरिन्थी ६:१८, १९,३:१७)।

३) सुअर (सुंगुर):-

सुअर मदाहा(मद्यपान) ओ दलिद्धरके पापहे संकेट करथ। सफा ओ फोहरके वास्ता नैराख्के भेटैलक सक्कु चिज खैना सुअर एकथो फुहर जनावर हो। अस्तक नन्हे एकथो पापपूर्ण हृदय फेन सक्कु खराव

Copyright ANGP

कल्पना, फोहर विचार ओ नैमजा बोलिवचन, नाङ्गे फोटो, साहित्य आदिहे समेत्ले बा । यी शरीर जिवित परमेश्वरके मन्दिर हुई पर्ना रहे, यी शरीरहे अशुद्ध पर्ना खैना चिज जस्तेः बेंडी, सिगरेट, माखुर, गाँजा, भाङ्ग आदि जैसीन् शरीरहे हानी कैना चिजके सेवन कैके अपवित्र बनाइले बताँ । आजकल मनैन्हे धुम्रपान ओ अफिमके लतसे अतना गहिरसे बिग्रल बताँ, कि पहिले अइसिक नै बिग्रल रहित । अइसिन धुम्रपान कैना ओ शैतानके क्षेवरहे परमेश्वरके शक्तिसे किल छुट्कारा देहे सेकथ ।ज्यादा धार्मिक सोच–विचार रहलक मनै चर्चमे धुम्रपान करे नैसेक्था । यी विचार कैके अइसिक कैना चाहि परमेश्वरके नियमहे नै मन्ना हो । तबोफेन ओ मनै गन्धैना ठुटासे अपन शरीरहे अशुद्ध बनैलक संकोच नैमानथ । प्रभु येशूके चेला पावल कहथा('का तुहिन थाहा नै हो ? तुहरे ते परमेश्वरके मन्दिर हो, ओ परमेश्वरके पवित्र आत्मा तुहिन्के मन भित्तर बास कहीं ? केउ परमेश्वरके मन्दिरहे नाश पारी कलेसे परमेश्वर उहिहे नास पहीं । काहेकी परमेश्वरके मन्दिर पवित्र बा, ओ उ मन्दिर तुहुरे सक्कु जाने हो' (१ कोरिन्थी ३:१६,१७, ६:१८,१९) ।

ज्यादा खैना मनै फेन परमेश्वरके नजरमे घृणित रहथा । हम्रे जियकलक खैथी , खाइकलक नैजिथी । मजासे खाना खैलेसे भुखाइल मनै अघाइथा लेकिन शरीरके अभिलाषा भर देउदेउ जैसिन लाग्था ।

शरीरके अभिलाषा ओ तृष्णा कब्बो फेन तृप्त ओ सन्तुष्ट नै हुइथ । परमेश्वरके वचनमे अगस्ति ओ मदहानहे ढूङ्गाले मारदेना कहले बता (व्यवस्था २१:१९(२१) । 'मद पिना ओ घिच्नाह । मनै दलिद्दर हुइत् ओ निद, लफन्दु मनैन्के संगत लागके अपन बाबक अनुहार लज्जित बना देहथ ' (हितोपदेश २३:२१,२८:७) । ऊ धनी मनैहे सम्झो जे महा दलीद्दर

Copyright ANGP

ओ अपन शरीरके अभिलाषाके दास रहे ओ पाछे मर्गैल और जब ऊ नरक मन्से हेरथ ते ऊ अवर्णनीय पीडामे रहे । जाँड, दारु, सिगरेट, बेंडी, माखुरसे खराब हुइना बारेमे शायद बताई नैपरी । यी बात अइसिन मजासे जानगैल बा कि किहीहे खेलवार करे नैसेकजाइथ । परमेश्वर अपन वचनमे प्रष्ट रुपमे बतैले बताँ, कि केउ दरुवाह मनै मर्र जाईते ऊ स्वर्गक राज्यक हकदार नैहुइसेकी । जे दारु बैठाके बेच्ना काम करथ, ओइने परमेश्वरके आगे ओत्ने दोषी रथिन् ।काहेकी परमेश्वर कहथा,'ओकर उपर श्राप ! जे दारु पिनामे वीर ओ कडा दारु मिलइनामे बहादुर बा' (यशैया ५:२२) । 'ओकर उपर श्राप ! जे अपन गाउँ–घरक मनैन्हे दारु पिवाइथ ओ दारुमे विष मिलाके अपन गाउं–घरके मनैन्के बेजेत कराके ओइनकें नाङ्गेपनहे हेरथ' (हबकुक २:१५) । 'ओइनके भोजमे वीणा, सारंगी, बसीया ओ दारु मिलथ्, लेकिन ओइने परमेश्वरके काम नैदेख्था, ओ परमेश्वरके हातसे कैलक काममे ध्याने नैदेथा ।' (यशैया ५:१२) 'अधर्मी मनै परमेश्वरके राज्यमे हकवाला हुइनैसेकी । का तुहरिहिन थाहा नै हो ? कि व्यभिचारी, मुर्तिपुज्ना, चोरी कैना मनै, लोभ कैना मनै, दारुजाँड पिना मनै, लुटाहा मनै, गरीएइना मनै परमेश्वरके राज्यके हकदार हुइनैसेकी'(कोरिन्थी ६:९,१०) ।

हमार संसारिक स्वभावके पाप प्रस्ट रुपमे बिलगाइथ । उ पाप अइसीन बा, व्यभिचार, पवित्रता नैहुइल, देवता पुज्ना, मन्तरतन्तर, दुश्मनी, रीस, बिरोध कैना, चोरी दकैती, जड्याहा मनै, भोजमे मोजमजा कैना मनै, कुमार्ग, हेल्हा अस्तेक नन्हे आउर फेन धेर बताँ । जौन मनै यी कुली चिजमे दोषी बा, ऊ मनै कौनो रीतिले फेन परमेश्वरके राज्यके हकवाला हुइनैसेकी (गलाती ५:१९-२१) । 'अंगुरके दारु पिके नमातो जेमे कामोद्दीपन रहथ लेकीन आत्मामे भरल रहो' (एफिसी ५:१८) ।

Copyright ANGP

पियासल मनैन्हे येशू प्रभु अइसिक निम्ता देथा, 'केउ पियासल बा, कलेसे ऊ मोर थेन आओ, जीवनके पानी बिना पैसक पिओ' (युहन्ना ७:७,३८)। 'हे सक्कु पियासल मनै पानी थेन आउ, रुपिया पैसा नैरहल मनै फेन आउ, आके अंगुरके रस ओ दुध बिना पैसक ओ दामे नैदेके ओस्ते लेउ' (यशैया ५५:१)। 'जे उ पानी पिइ, उहीहे मै देम, उही कब्बो फेन नै पियास लग्हीस् लेकिन जौन पानी मै उही देम, उ पानी ओकरमे अनन्त जीवनसम् पानीक मुल बहल करी' (युहन्ना ४:१४)।

४) खेचुहिया (कछुवा):-

खेचुहिया अल्छीपन, अल्यास्मल्यास् नेंगना ओ मन्तरके विद्या, टुना–मुना कैलेसे हुइना पापहे संकेट करथ ।अविश्वास मन्तरके विद्या बराबरके पाप हो । अल्छी मनै अपन लालचमे मरथ काहेकी ओकर हातहे काम कैनास नैलग्थीस्। ओइसिन मनैबा, जे दिनभर लालच किल कर्तिरहथ । (हितोपदेश २१:२५,२६) यहोशु इस्रायलके सन्तानहे कहे पर्ना रहीन, 'यी देशहे अपन अधिनमे पारकलक अल्छी नकरो ।' मनैन्के स्वभाव परमेश्वरके बातहे पाइकलक अल्छी ओ ढिला बा। येशू कहला -'सांकिर दुवार ओर्से नेंङ्गना प्रयास करो' -लुका १३:२४)।'खोजो ते पैने बतो ।' 'स्वर्गके राज्यमे बलजफत हुइती बा ओ बलजफत कैना मनै जबर जस्तीसे अछोरलेथा' (मति ११:१२)।

यदि हम्रे उद्धार ओ आत्मिक वरदानके सम्बन्धमे अल्छी हुइबी कलेसे नाशमे पुग्बी। अल्छीपनसे प्रार्थना कैनामे, परमेश्वरके रहस्यमय चिज खोज्नामे ओ परमेश्वरके सबसे भारी आशिषपूर्ण प्रतिज्ञा लेनामे हम्रहिन् रोकथ ओ सक्कु नाश हुइना डग्रा ओर लैजाइथ। अपनिक मन आज परमेश्वरहे देउ (समर्पण करो) परमेश्वर अपनिन्से बोल्के अपनिन्हे उत्तेजित बनैही लेकिन शैतान अपनिक मनमे यी काम काल करम् ओ

COPYRIGHT ANGP

कौनो फुर्सदके दिनमे करम कहना विचार नानथ, जौन दिन अफसोच ! फेन यी समय कब्बो नैआइ ओ अपनी उद्धार ओ खीष्ट बेगर मुबी । परमेश्वर कहथा, 'यदि तुहुरे आज परमेश्वरके शव्द सुनके तुहुरे अपन मन आँखर नपारो' (हिब्रु ३:८) । कत्ना मनै उद्धार पाइकलक अभिन सुविधाजनक मौका खोजके बैठ्ती–बैठ्ती उ दिन नै आके नाश हुइल बताँ ।

टोना कैना ओ जादुगिरी कैना मनै खेचुहियाक बाहरके खोल आँखर कैके तन्तरमन्तरके विद्याक काम कैथा । यहाँ यकर मतलब जियल परमेश्वरमे विश्वास नैराख्के जादु टोना कैना, हात हेर्ना आदि तान्त्रिक बातमे विश्वास कैना पापके संकेट करथ । परमेश्वरके वचनमे हम्रहिन सिकाइथ,(विशेष कैके संकट, परिक्षा, रोग, दु:ख विलापके समयमे भाग्य ओ दुर्भाग्यमे भर नैपरके जिवित परमेश्वरहे पुकारक परथ, जे हम्रहिन्के सहायता करकलक एकदम तत्पर रहथा, काहेकी 'सज्जन मनैन्के पाइला परमेश्वरमे नै स्थिर रहथीन' (भजनसंग्रह ३७:२३) । 'काहेकी उच्च पद नते पूर्वसे नते पश्चिमसे, नते दक्षिणसे नैआइथ, लेकिन परमेश्वर नै न्यायधिश हुइत' (भजनसंग्रह ७५:६,७) । परमेश्वर इस्राएली मनैन्हे अइसिक कहती आज्ञा देथा की, 'तुहुरिहिन् मनसे केउ फेन अइसीन नहोउ, जे अपन छावा या छाइनहे आगीमे होम देके या भविष्यवाणी वोल्ना मनै, शुभाशुभ मुर्हत मन्ना, मन्तरतन्तर कैना, बोक्सिन या इन्द्रजाल कैना, झाँक्री, मसान जगैना, जैसिन मनै ना मिलित । काहेकी जत्ना जाने अइसिन काम कर्तिबताँ, ऊ सक्कु मनैन् परमेश्वरहे घिन लग्थिन्'(व्यवस्था १८:१०,१२) । 'बाहर ओर ते कुकुर, जादुगिरी ओ व्यभिचार, झुठ बोलना ओ झुठहे मजा मन्ना मनै रहथा (प्रकाश २२:१५) । तै आत्मा ओर, भाग्य बनाइना ओर वा परमेश्वरके

Copyright ALGP

खोजी कैना ओर, तुहुरिन संगसंगे पापकैके ओइनिहिन्से अशुद्ध हुके, ओइनिहिनसंगे नजाओ । मै परमप्रभु तुहुरिहिनके परमेश्वर हुँ, (लेवी १९:३१) ।' 'जब ओइने तुहुरिहिन गनगन करती फुसलैही, जादुगिरी ओ झाँक्रीसे पुछ लेउ कहथा ते का मनै अपनेहे ईश्वरके थेन जाके पुछे नै सेकही ते ? का जियल मनैनके बारेमे मुअल मनैन्से पुछलेसे उचित बा ? शिक्षा ओ चेतावनी हुइलक ठाउँमे जाउ । यदि ओइने यी बात अन्सार नै बोल्ही ते अवश्य ओइनके लग सकारे (विहान) नै हुइहिन् ।

यी छोटमोट किताब पढती जाइवेर परमेश्वर अपनिन् संगे बोल्ती रहथा ओ कहथा कि अपनिन्के अपन पापहे पश्चाताप कइके अपन जीवन परमेश्वरमे समर्पण करी । लेकिन अपनिक मनमे वास कैना खेचुहियाक आत्मासे अपनिकमे सक्कु मेरके सुझाव नान्के अपनिन्हे परमेश्वर प्रतिक लेलक बातचितहे छोड्के, अपनिक मनमे डरभर देहथ । 'यदि मै सज्जन खीष्टियन हुगैलक खण्डमे मोर संघरियनके, मोर परिवारके मनै ओ समाजके मनै महींहे का कहिंहि ?' 'यदि मै नाचगान, भोजभतियार, संसारके मनोरन्जन आदि चिजमे भाग नैलेम कलेसे का हुई ?' खीष्ट येशूमे देख्ना अपार धन, उहाँक अचम्मक शान्ति, आनन्द, महिमा, अमर ओ अनन्त जीवन ओ सुख दुख छोड्के अपनिक उ सक्कु चिज देखे सेके लग्बी, जौन चिज खीष्टहे मनमे आइक देहक छोड्के त्यागक परथ् लेकिन खीष्ट येशू आजीवन मृत्युके डरमे दासत्वमे हुइलक मनैन्हे छुटकारा देहकलग आइला, (हिब्रु २:१४,१५) । खेचुहियाक हस अपनिकमे रहलक अल्छी भावनासे अपनिक मन खेचुहियाक बाहरके खोल जैसीन आँखर नै हुइतसम् आँखर हुइत जाइलकरी ।

Copyright ANGP

५) चित्तर (चितुवा):-

चित्तर एकथो डरलग्ना ओ रिसाहा जनावर हो। अक्सर मनैन्के मनमे हेल्हा, रीस ओ हिंसात्मक स्वभावके अड्डा जमैले रहथ ओ घरीघरी यी हिंसाके भावना निकरल करथ। अपनि अपन यी हिंसात्मक भावनाहे यी समयसम् वंशमे धारक कोशिश करेसेक्बी जबसम् यी यहोर ओहर फुट्के बाहर नैनिकरी। यदि अपनिक मनमे रीस क्रोध वा यहीहे स्वीकार कैके यमेसे छुट्कारा पाईकलक येशू ख्रीष्टसे बिन्ती प्रार्थना कैना मजा हुइथ। 'आब सुर्ता नकरो ओ अपन उपर नरिसाओ,(उत्पति ४५:५)।' 'रिसैना छोडो ओ रीसहे त्यागो यी ते खराब काम कैना ओर लैजाइथ,(भजनसंग्रह ३७:८)।' 'रिस निर्दयी बा ओ रीस पहाडके खोलह्वाक बाढ जैसिन बहथ, लेकिन खोलह्वाक बाढके आगे के थरियाई सेकी ?,(हितोपदेश २७:४)।' 'अपन मनमे रिस नकरो काहेकी रीस ते मूर्ख मनैन्के मनमे रहथ ओहेक मारे अपन मनमनिक रीस हताउ।' तुहार सक्कु रीसहे त्यागो (कलस्सी ३:८)।

धेर जैसिन मनै मटुवार हुईना चिज(मादक–पदार्थ) पिके या दोसर जनहनसे बदला लेके अपन रिस मेटाईक चाहथ लेकिन 'ओइनके मद्य अर्जीगर साँपके विष ओ करिया डोमिनिया साँपनके विष हुइत' (व्यवस्था ३२:३३)। पापी मनसे बदला लेहक खोब मन पराइथ लेकिन हमार बदला फेरनाते परमेश्वर हुइत येशू अइसिक कहथा, 'तुहरे अपन छिमेकीन्हे अपनहस् माया करो ओ तुहिनके दुष्मनहे फेन माया करो।' हमार विरोधमे अपराध कैना मनैहे यदि हम्रे क्षमा देव कलेसे हमार अपराध क्षमा करकलक परमेश्वर तपस्या कैले बताँ। छोट्नक बातमे रिसा जैना ओ मनमने गन गनैना आत्माहे परमेश्वरके हेराइमे घृणित बा झगडा ओ मारकाट कैना खराब विचारके बैठ्ना ठाउँ-वास

Copyright ANGP

स्थान) हृदय नै हो । यकरकारण यदि मनै धेर समयसम् तिगे सेकी कलेसे सच्चा शान्ति फेन मनमे धैना अत्ना आवश्यक बा ।

६) साँप:-

अदनके फुलरियामे हव्वाहे साँप छल कैके परमश्वर सँगक सबसे मिठ बातचित(संगति) ओ मेलमिलापहे नास पारल । 'पतित् हुइलक स्वर्गदूत शैतान' आदम ओ हव्वाहे लुसीफरके ठाउँमे परमेश्वरके पूर्ण संगतिमे बैठलक ओ संसारके अधिकारवाला हुइकलक् देख्के ईर्ष्यासे मुर्छा पार देहथ । यी रिसले मुर्छा पारके शैतान ओइनिहिन्हे नाश पर्ना जुक्ति सोंचथ ओ ओइनिहिन्हें अचम्मके मेल मिलाप, परमेश्वरसंगक संगति ओ जीवनहे खलबलाके छोड देहथ । यी भुतन्के ईर्ष्याले(रिस) मनैन्के जातमे कौनो मनैन्के हृदयके सुखहे नाश पार देलेबा । जबकि ओइने दोसर जनहन् सुख ओ आरामसे बैठल देखथ । 'रिस मनैन्के माती जैसिन निर्दयी(कठोर मन) रहथ',(श्रेष्ठगीत ८:६) । यी मनैन्के मनमे आउर जनहन्के सुख ओ आनन्दहे खलबलाके दुष्ट विचार पैदा कराइथ, मारकाट कैना सम्के भावना जगाइथ । केकरो-केकरो भोज कैल जीवनमे विशेष कैके यइसिन मिलथ । जीवनमे दोसर-दोसर ठाउँमे फेन दोसर मनैन्हे बनल देख्के मनमे अइना रिसहे बयान करे नैसेक्ना दु:ख ओ हेल्हा मनैन्के मनमे अइथिन । अत्रा सम् कि खीष्टियन्मे काम कैना मनै, प्रचार कैना मनै, ओ धर्मके सेवा कैना मनै फेन यकर दबावसे उपर उठे नैसेक्था । ओइने कब्बो नैविश्राके, होशियार रहेपरथ । ओ हमार मनमे पवित्रआत्मासे बहलक परमेश्वरके शुद्ध मायासे भरक परथ । नैते ओइनके परमेश्वर उपरके सक्कु मनैन्के कल्याणके लक भर पर्ना कामहे भुतन्के आत्मासे नाश पारलरही ओ परमेश्वर ओइनसे धेउर उहाँक काम कैना मनैन् चलाइना जरुरी बा ।

७) मेघवा (भ्यागुतो):-

मेघवा माटी खैना लालचपन ओ रुपियाँ पैसाक लोभ कैलेसे हुइना पापके संकेत करथ, जे सक्कु मेरके खराबके जड हो, (१ तिमोथी ६:१०) कङ्गो देशमे अइसिन मेघवा पत्ता लागल बताँ कि ओइन्के पेट फुट्के नै मूअलसम् सयौं चिम्तन् खाइल करथा। कौनो लोभी मनै गरीब ओ भिखारी मनैन्के उपर दया देखाके, मद्दत कैना इच्छासम् नैराख्के, सज्जन हुके वा बेइमानी कैके, कौन तरीकासे यी संसारके धन सम्पत कमाई कैना ओर लागथ, जिहि कीरा ओ खियासे नास हुइजाइथ। ख्रीष्ट येशू अपनीन्हे कहथा,'अपनलक पृथ्वीमे धन सम्पत जम्मा नकरो नैते किरा ओ खियासे नास हुजाइ ओ जहाँ चोर चोराके लैजैहीं लेकिन अपनलक स्वर्गमे धन सम्पत जम्मा करो जहाँ न किरा न खियासे नास हुइथ, नाते चोर चोराके लैजाइसेकी, कारण यी हो कि जहाँ तोहार धन सम्पत रहि वहाँ तोहार मन फेन रहि', (मति ६:१९-२१)। आकान (व्यक्ति) ओ ओकर सक्कु परिवार सुन, चाँदी महंगा–महंगा समान ओ लुगाफाटामे धेर माया कैलक ओरसे नास हुगैला, (यहोशू ७)। येशू ख्रीष्टके चेलवा यहुदा इस्कर्योती अपनेहे गाँड भुल्के मरगइल काहेकी रुपियाँपैसक मायासे, लालचसे उहीहे ओकर प्रभु ओ मलिकवाहे पक्रादेना धोखा देहल। यी दोष रुपियाँपैसाके नै हो नते सुनके हो लेकिन ओइनके उपरके माया के हो, जौन मनैन्के हृदयमे नुक्के रहथ।

सक्कु जातके हजारौं हजार मनैनके जीवनमे ओ ओइनके घरानक जीवनमे, चाहे ओइनके जुवा खेलके हुई, चाहे घोडा दौडाके, चाहे बाजी जितके हुई यी सक्कु ओरसे धेउरके धन जम्मा कैके अचानक ओहे समयमे धनी बन्ना ओइनके मनमे सबसे मजा, सबसे बलगर हुँ कहना खराब इच्छा बास कैले रहथिन्। धेर मेहनट नै कैके धनी बन्ना

Copyright ANGP

इच्छासे, मनैन्हे मर्ना, चोरी डकैती कैना, यकर सँगसँगे अपनेहे हत्यासम् करेलागथ । रुपियाँ-पैसाके लोभ, माया ओ हक वा शक्तिके माया आदि चाहे यी दोसर जनहनके उपर राज कैना शक्ति हुई, चाहे गरीबनहे दबैना खालके आर्थिक शक्ति हुई, चाहे धर्मके शक्ति हुई, जे परमेश्वरके लग नै कैके अपन मण्डलीके संगठनके नाउँक लग धेउर काम करथ ओ अपन मण्डलीके सदस्य नैहुके खीष्टके पाछे लग्न भक्तहे हेला देखाइथ, (मर्कुस ९:२८) । येशू कहथा, 'होशियार रहो, अपनहे सक्कु मेरके लालचसे बचाउ, काहेकी मनैन्संगे रहलक सक्कु चीज मनैन्के जीवनमे नैरहथ', (लुका १२:१५) । एकथो धनी मूर्ख मनैयक कहानी यी मेरके बा ('एकथो धनी मनैयक जग्गा उहीहे महाधेउर उज्जनी दिइस् ओ धनी मनैया मनमने अैसिक गन गनाइथ,'मोर थेन अनाज धैना जगह नै हो, अब मै का करुं ? तब ऊ कहथ, 'मै येहे करम, मै अपन देहरी सक्कु भस्काके आउर भारी भारी बनैम् ओ मोर सक्कु अनाज ओ सम्पति ओहे देहरीम धारम ओ मै अपन प्राणहे कहम्, 'ए प्राण धेर वर्षसम् चल्ना, धेर सम्पति तोरिकलक ढैले बतुँ । मजासे बैठो ओ खाओ, पिओ ओ रमाइलो करो ।' लेकिन परमेश्वर ऊ धनी मनैयाहे कहला,'ए मूर्ख यी रात तुहीसे तोर प्राण फिर्ता चाहलबा, ओ जौन बातँ तै तयार कैले बते, उ केकर हो ते ? लेकिन परमेश्वरके ओरसे धनी मनै नैहुके, अपनलक किल धन जम्मा कैना अस्ते रहथ,' (लुका १२:१६-२१) । 'काहेकी मनै सारा संसारहे हातमे पारके अपन बहुमुल्य प्राण चाहि गुमाइल कलेसे उहीहे का फाइदा हुइहिस् ?,'(मर्कुस ८:३६) ।' यहे कारणसे मै तुहुरीन कहथु अपन प्राणके लग का खैबो ओ अपन शरीरमे का लगैबो समझके फिक्री नकरो काहेकी जहाँ तुहार धन बा उहाँ तुहार

मन फेन रही,'(लुका १२:२२,३४)। लेकिन 'पहिले उहाँक राज्यहे खोजो ओ यी सक्कु चिज तुहीनके लक मिलुइया बा।

८) शैतान (भुतका):-

शैतान् सक्कु झुटके बाबा हो, ओ मेर-मेरके पाप करक उस्काके पाप करक लगाइथ ओ मनैन्के मनमे शासन करथ। येशू कहथा, 'तुहुरे ते अपन बाबा, शैतान्के ओरसे हो, ओ अपन बाबाक कौनो विषय वा वस्तुकमे धेर इच्छा करथो शैतान ते शुरुसे हत्यारा रहे, ओ सत्यमे ठहर्याई नैसेकल, काहेकी ओकरमे सत्य हुइबे नैकरीस्। जब ऊ झुट बोलठ, तब ऊ अपन ओरसे बोलथ, काहेकी ऊ झुट ओ झुटके बाबा हो,'(युहन्ना ८:४४)। झुट बोल्ना मनै भारी हुई या छोट रही, ऊ झुट झुठे रही। मनैन्के जीवनमे धेर मेरके अइसिन झुट रहथ जौन बोल्जाइथ्, लेख्जाइथ् ओ कैजाइथ। कपटी एकथो अइसिन फटाहा मनै हो, जे अपन कैलक फटाहा कामहे वास्तवमे नैकैलक जैसिन बहाना करथ। परमेश्वर फटाहा बोले नैसेक्था वा करे नैसेक्था, न ते खीष्टियन सक्कु जाने अइसिन कैथा,(तीतस १:२)। 'यदि परमेश्वरके संगे हमार सगति बा कहिके हम्रे कहबी ओ अंधारमे नेंगबी कलेसे हम्रे ठग्थी ओ सत्यमे नैचल्थी,'(१ युहन्ना १:६)। बाहर ओर ते कुकुर, जादुगिरि, व्यभिचार, झुट बोल्ना, ओ झुटहे मजा मन्ना रहथा,(प्रकाश २२:१५)।

९) तोरैया (तारा):-

तोरैया हरेक मनैन्के मनमे रहलक विवेकहे संकेत करथ। यहाँ यी करिया, अपवित्र ओ दुष्ट बा, शायद लगातार मनपरी पाप कैलक आरसे मरे सेकथ। अब यी आँधर विचलित अवस्थामे बा, जेकर कारण

Copyright ANCP

अपन कैलक कामहे ठीक, गल्ती पत्ता लगाइ नैसेक्नाहा बा । यी दुष्ट विवेक कब्बो–कब्बो शान्त ओ कब्बो–कब्बो दुखित रहथ । यी क्षमा देना ठाउँमे दण्ड ओ दण्ड देना ठाउँमे क्षमा करथ । शायद यी विवेक तातुल लोह जस्ते हुई सेकथ ओ विश्वास मनसे हट्के अपन सक्कु विवेक चेतना ओ भावना हेरारख्ले बताँ, काहेकी यीं बकैना आत्मा ओ शैतान्के नियमहे ध्यान देके कपट सँगे झुठ बोल्ले बा ।

१०) आँख (आँखा):-

परमेश्वरके आँखसे हृदयमे पैठना हरेक चिजहे देख्था । उहाँके तेजपूर्ण आँखसे कौनो चिज फेन नुकाई नैसेक्जाइथ ओ यकरकारण उहाँ मनके सक्कु गोप्य विचार ओ मनोभावना जाने ओ देखे सेक्था । (यी फोटोमे आँख मनैन्के अनुहारके चित्रसे मिलथ्) ।

११) जिभ जैसिन आगिक लहर (आगाका साना जिब्राहरु):-

मनके चारुओर रहलक आगिक छोटमोट लहर पाप रहलक हृदयहे परमेश्वरके प्रेमसे घेरल रहलक संकेत करथ् । परमेश्वर पापहे घृणा कैथा लेकिन पापी मनैन्हे प्रेम कैथा, ओ ऊ नाश नैहुइल हो, लेकिन पश्चाताप कैके बांचे कहना उहाँक इच्छा बतीन् । खीष्ट येशू पापी मनैन्हे बचाइ अइला । स्वर्गमे एक जाने पापी मनै किल पश्चाताप कैके मन फकाई कलेसे धेर आनन्दके हलचल हुइथ् । यी छोटमोट आगिक लहर खीष्ट येशूके रगतके संकेत करथ्, 'जे संसारके पाप उठाके लैजाइ, उहीहे परमेश्वरके थुमा(छावा) मान्जाइथ् ।'

१२) स्वर्गदूत:-

स्वर्गदूत परमेश्वरके वचनहे बताइथ् । परमेश्वर छलकपट ओ पापसे लाडल थारु जन्नीन्के हृदयमे बोल्न चाहथा । मनै पश्चाताप

Copyright ANGR

कैके उहाँक ज्योति ओ प्रेम अपन हृदयमे पैठक दिहित कहना उहाँक भारी इच्छा बा ।

१३) कुटरिया(ढुकुर):-

पवित्रआत्मा(परमेश्वरके आत्मा) ओ सत्यके आत्माके चिन्ह हो । जे पापके दोष बताके दोषी पत्ता लगाके धार्मिक्ता ओ न्यायहे छुट्याइथ् । यहाँ पवित्रआत्मा मनैन्के हृदयके बाहर बा । पाप शासन कैलक ठाउँमे यी रहे नैसेकथ् ।

यदि यी चित्रमे देखाइलक् अनुसारके बयान अपनिन्के मनके अवस्थासँगे मिलथ् कलेसे अपनी प्रभूहे पुकारी अपन मन उहाँक लग खोल्के उहाँक वचनके ज्योति अपनिक् मनमे चम्कक् देवी । 'प्रभु येशू खीष्टके उपर विश्वास करबी ते अपनी बचाजैबी ।' परमेश्वर तयार बताँ, अपनिक मन परिवर्तन करकलक तपस्या कैले बताँ ओ अपनीन्हे उहाँ लावा आत्मासे भरके लावा मन देहुइया बताँ यी चिज दोसर फोटोमे देखाइल बा ।

Copyright ANGP

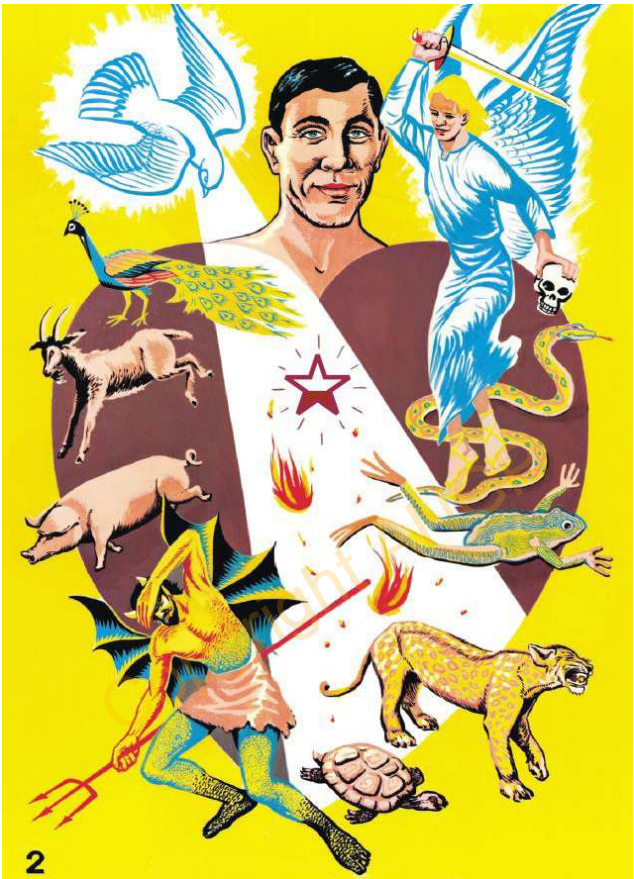

२ दोषी ओ पश्तैलक मन

दुई नम्बरके चित्र : दोषी ओ पश्तैलक मन :-

यी चित्र परमेश्वरहे खोज्ना तयार हुइलक् एकथो पश्तैना मनैन्के हृदयक् संकेत करथ् । यहाँमे परमेश्वरके दूत(स्वर्गदूत) एकथो तरवार पकरलेबा, जौन परमेश्वरके वचन हो । 'काहेकी परमेश्वरके वचन

नैमरल् ओ महा बलगर(जिवित ओ प्रबल) ओ दुई ओर धार हुइलक तरवारसे फेन् चोख औ प्राण ओ आत्माहे जोरलक ठाउँ ओ हड्डी मनिक रगतहे अलग कैके आरपार छेद देहथ् ओ मनमे अइलक कल्पना ओ विचारहे जाँचे सेकथ् ,(हिब्रु ४:१२) ।' परमेश्वरके वचनसे उहीहे यी याद अइथीस् कि, 'पापके ज्याला(मजुरी) मृत्यु हो ।' और 'मनैन्के एक दिन मरे परना बा और ओकर पाछे न्यायके लग तयार हुइ पर्ना बा,(हिब्रु ९:२७) ।' पापी ओ अविश्वासी मनै भर आगी ओ गन्धकसे जरजैही । परमेश्वरके दूतके दोसर हातमे मुअल मनैन्के कपार(खप्पर) बतिस् । यी सक्कु पापी मनैन्हे एक दिन मरे पर्ना बा कहिके यहा देखाइल बा । हमार यी शरीर जिही हम्रे अत्ना प्रेम कैथी, लुग्गा लगैथी, खैथी, पिइथी, सिंगार पटार आदि सब प्रकारके रेखदेख कैके ध्यान देहथी । जे शरीरके इच्छा और कौनो चिजके उपर धेर चाहना करथ् लेकिन् एकदिन यी मरके सडी, जबकि हमार आत्मा अनन्त तक जिअल रहथ् और एक दिन जे परमेश्वरके न्याय आसनके साम्ने जाइक परथ् ।

यहाँ हम्रे देख्थी कि पापी मनै परमेश्वरके वचनमे ध्यान देहे शुरु कैके परमेश्वरके प्रेम उपर अपन मन खोल्ले बा । पवित्रआत्मा ओकर अँधार ओ पापी मनमे चम्कक् शुरु कैले बताँ । परमेश्वरके ओजार ओकर मन्दिरमे पैठ्के सक्कु अंधारहे निकारथ् । जब परमेश्वरके ओजरार भित्तर आइथ् तब अँधार हट जाइथ् । धेउर प्रकारके जनावरके संकेत कैलक पाप निकरके हटजाइथ् । यकरकारण प्रिय पाठक येशू जगतके ज्योतिहे अपन हृदयमे बैठक देवीओ चित्रमे देखइलकहस अँधार ओ अँधारके काम अपनिक हृदयसे छोडी । येशू कहथा, 'मै संसारके ज्योति (दिया) हुँ, मोर पाछे लगना अँधारमे नेगे, घुमे नैपरी, लेकिन ऊ जीवनके

Copyright ANCR

दिया पैने बा,(युहन्ना ८:१२) ।' अपनी अपन कोशिसमे अपन बुद्धि वा मनैन्के बुद्धिसे अपन हृदयके अँधार निकारक लक कब्बो फेन सफल हुइनैसेकी । सबसे सजिल निश्चित, झट्टे हुइना और असर कैना ओ एक्केथो तरीक़ा यहेहो कि अपनी येशूक ज्योति ओजरारहे भित्तर आइ देउ ओ अँधार जौन पापहो, उ निकर जाइथ् और तोरैया हम्रहिन अँधार रातमे कौनो सहायता देहे नैसेकथ्, लेकिन जब सूर्य निकरथ् तब अँधार हेराजाइथ् । येशू धार्मिक्ताके दिन हुइत । जब उहाँ यरुशेलेमके मन्दिरमे पैंठला तब उहाँसे सक्कु गोरु, भेडी परेउना बेच्ना मनैन्हे बाहर निकरला ओ पैसा सत्ना मनैन्के टेबुल घोप्ट्याके कहथा, 'यी लिखल बा, मोर घर प्रार्थनाके घर कही जाइथ्, लेकिन तुहुरे यहीहे डाँकुनके ओडार बनाइले बतों, (मत्ति २१:१३) ।' अपनीक हृदय परमेश्वरके घर ओ परमेश्वरके मन्दिर हुइक लक बनैलक हो परमेश्वर यमे वास करक चाहथा, यहीहे सुन्दर तुल्याइक चाहना ओ ज्योति, प्रेम, ओ आनन्दसे भरपूर पर्ना चाहना कैथा । येशू हमार पापहे क्षमा करेकिल नैअइला, लेकिन उहाँ हम्रहिन बनाइलक ओ पापके शक्तिसे छुटकारा देहक आइल बताँ । यकरकारण परमेश्वरके छावा तुहिनहे स्वतन्त्र करैहि कलेसे तुहुरे निश्चय स्वतन्त्र हुइने बतों,(युहन्ना ८:३६) ।'

Copyright Anger

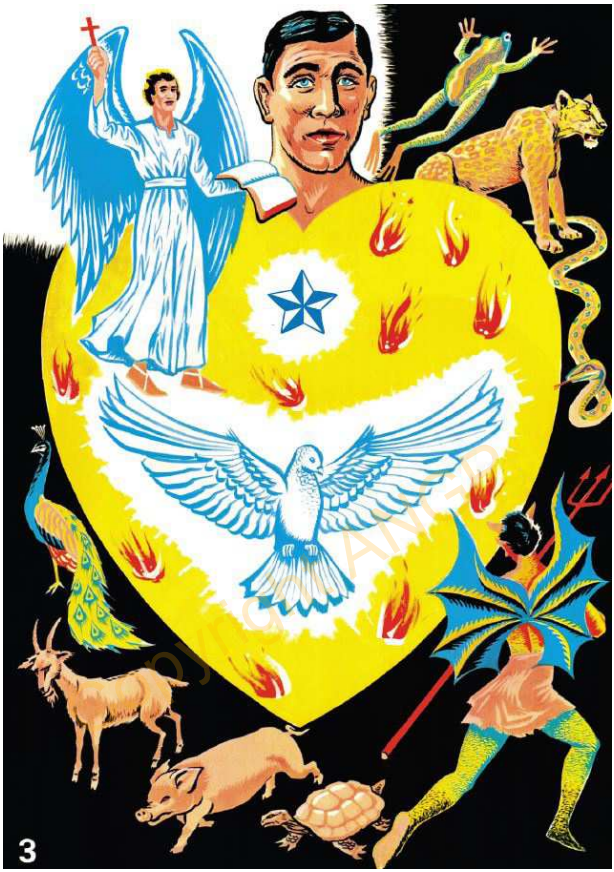

३ पश्चाताप कैलक मन

तीन नम्बरके चित्र : पश्चाताप कैलक मन :-

यी चित्रमे एकथो सच्चा पश्चातापी पापी मनैन्के हृदयके दशा बताइथ् । आजकाल ऊ अपन धेर डरलग्ना पाप देखथ्, जेकर कारण येशू क्रुसमे मरे परलिन् । जैसिक ऊ पापी मनै क्रूसहे देखथ्, जे स्वर्गदूत

परमेश्वरके वचन, उहिहे प्रकट कैथिस् । यी क्रुससे ओकर पश्चाताप कैना हृदयहे तोर देथिस् ओ अपन कैलक पापके दुखित, शोकित हुके, ऊ पश्चाताप करे लागथ् । जैसिक ऊ खीष्ट येशूमे ओजरार परमेश्वरके महान प्रेमहे प्रकट हुइलक देखथ् । यी प्रेम देखके ओकर हृदय हिंउ हस् पगल जैथिस् । बिशेष कैके जब ऊ महशुस करे लागथ् कि येशू खीष्ट परमेश्वरके छावा, ऊ श्रापके रुखवामे ओकर बदला अपनेहे मरके ओकर अत्ना धेर पाप उठाके लैजाइकलक् यी संसारमे अइला ।

यी सत्य घटना हो, कि येशूहे कोर्रा लगैलिन्, काँटक् मुकुट घलैलिन्, उहाँक हात ओ पौँलीमे काँटी ठोकला ओ उहाँ हमार पापके लग क्रुसमे मूला । यी घटनासे स्पष्ट और गहिर रुपमे पश्तैना पापीहे ओकर हृदय ओ जीवनमे परिवर्तन लन्थिस् । जैसिक ऊ परमेश्वरके वचन पढी, जेमे ऊ अपनहे ऐनामे देखेहस् देखे लागी । और अपनहे झन्झन परमेश्वरसे डर हुइलक ओ उहाँक आज्ञाके विरुद्ध अपराधी हुइलक महसुस करथ् । गहिर धार्मिक शोक, ओ पछुताव उहीहे लगहिस् ओ जब ऊ अपन हृदयहे परमेश्वरके आगे आँसु ओ बिलापके सँगे धारथ्, येशू उहीहे अपन लग्गे नन्था । तब परमेश्वरके प्रेम ओ शान्ति ओकर मनमे रहिस् तब ऊ यी महसुस करी,कि परमेश्वरके छावा येशू खीष्टके रगतसे हमार सक्कु पाप सफा पारथ् –(१ युहन्ना १:७) । 'टुटल–फुटल मन हुइलक सक्कु जनहन्के लग्गे परमप्रभु रहथा, (भजनसंग्रह ३४:१८) ।' फेन परमेश्वरके वचन हम्रहिन यी कहथ्, 'मै ओकर ओर हेरल करथु, जे दु:खी ओ चूर्ण मनके बा ओ मोर वचन सुनके थरथराई, (यशैया ६६:२) ।' पवित्रआत्मासे येशू वचन बोल्ति बताँ, 'हे छावा–छायीन्के आनन्द करो तुहिनके पाप माफ हुइल बा ।' यी सक्कु काम ओकरलक् कैलक हो, कहना बिश्वासमे जबसम् ऊ

Copyright ANGP

क्रुसमे बगैलक येशूक रगतमे हेरल करथ् , यी महसुस करे लागथ कि ओकर पापके बोझा हटगैल बतिस् काहेकी येशू हम्रहिन्के दु:ख, शोक उठाके सहले बताँ कि, 'उहाँ हमार अपराधके कारण बेहोस् हुइला और हमार अधर्मके लक किचला गैइला, किचलावा पैला कि, 'परमेश्वर हमार सक्कु अधर्मके बोझ उहाँक उपर लाद देलिन् ,(यशैया ५३) ।

पवित्रआत्माके ओजरारसे ओकर अँधार ओ अशुद्ध मनहे भरपूर पर्तिबा । अब ऊ सफा पारलबा ओ येशूके रगतसे हिउँ जैसिन उज्जर बनाइल बा, (यशैया १:१८) । पवित्रआत्मासे ओकर आत्मामे गवाही दिहि कि उहीहे क्षमा हुइलबा ओ ऊ अनुग्रहसे परमेश्वरके सन्तान बनलबा (रोमी ८:१६) । आब उहीहे यी निर्धक्क बतिस कि, 'चाहे जे येशूमे बिश्वास करी ऊ नाश नै हुइ लेकिन् अनन्त जीवन पाइ' (१ कोरिन्थी ६:१०–११) । काहेकी, 'येशू हम्रहिनहे अपन रगत बगाके दु:ख–कष्ट, आपद–विपद, संकट मनसे छुटकारा देना काम कैला ओ उहाँक अनुग्रहके धन अनसार अपराधके क्षमा हुइथ्,(एफिसी १:७) । शरीरके पापपूर्ण विषय, वस्तुक उपर तिव्र चाहनाके सट्टा आब ओकरमे परमेश्वरके लग जियक ओ उहाँक लग सेवा कैना गहिर इच्छा हुई, 'जे हम्रहिन पहिले प्रेम करल,' आब संसार ओ संसारिक बातचितमे प्रेम कैके ऊ परमेश्वर ओ परमेश्वरके बातचितमे धेऊ प्रेम करे लागथ ।

यकरकारण यी चित्रमे धेउर पापके संकेत कैना जनावर आब मनके बाहर बताँ, तब्बो फेन शैतान अपन पुरान बैठलक ठाउँ छोडकलक् राजी नै हो, ओ फेन भित्तर पैठकलक् पाछे फरकके हेरल करथ् । यकरकारण प्रभु येशू खीष्ट हम्रहिन् बतैती कहथा कि हम्रे जागल रहि, प्रार्थना करल करी, ओ शैतान्के बिरोध कैटी रही ताकि शैतान हम्रहिन्से दूर रहे ।

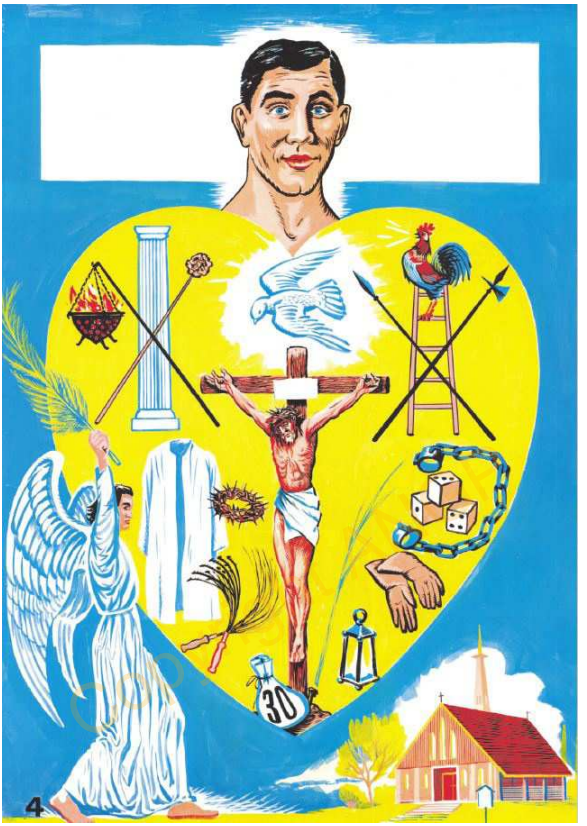

४ खाष्ट सग क्रुसमे टागलक

चार नम्बरके चित्र : खीष्टसंगे क्रुसमे टांगलक :-

यी फोटु(चित्र) एकथो खीष्टियनके बारेमे बताँइथ्, जे हमार प्रभु' और कष्टपूर्ण अवस्था मन्से उठैना(उद्धारकर्ता) येशूके बलिदानसे आज हम्रे सक्कु' जाने शान्ति ओ छुटकारा पैले बती । यकरकारण -'ओर्से आब उहीहे कौनो चिजमे घमण्ड नैहुइस् ।' 'खालि हमार प्रभु येशू

खीष्टके क्रुसके जेकर संगे मै संसारके पापके कारण(लेखि) ओ संसार मोर कारण(लेखि) क्रुसमे टांगलबा',(गलाती ६:१४)।' 'येशू क्रुसमे मुगैला जेम्ने हम्रे फेन उहाँक सँगे-सँगे पापके लक मरके धार्मिक्तक लक जीवन विताइसेकी',(पत्रुस २:२४)। एकथो खीष्टियन् जे सांसारिक बातके इच्छा क्रुसमे चढाइल बा। हम्रे सक्कु' जाने आज्ञा पैलेबती कि 'आत्माके अनसार चल्ना ओ शरीरके लालच कौनो रीतिसे पुरा नैकैना,'(गलाती ५:१६–२५)।

यी हृदयके चित्रमे ऊ खम्बा देखाइलबा, जेमे प्रभु येशूहे लुग्गा खोल्के बांधले रहीत। यक्रेसँगे चक्कु' ओ कोर्रा फेन देखाइल बा, जीहिसे उहां निर्दयताके साथ मरुवा पैला। उहाँ हमार पापके लक मरुवा पैला काहेकी 'हमार शान्तिक लक उहाँक उपर महामारी कष्ट भोगक पर्लिन्।' हेरोद राजा ओ ओकर मनै सक्कु जाने उहाँक गिल्ला कैलीक कोर्रा लगैलीन्, धेउर रंगके कपडा लगादेलीन् ओ काँटक मुकुट बनाके उहाँक कपारीम् ढार् देलिन् ओ उहाँ ऊ मुकुटहे सोनक मुकुट कहती घाल्लेला। राजाके हातमे राजदण्ड रहक पर्थ कहती ओइने उहाँक दहिना हातमे गौलर धैदेलीन ओ उहाँक आगे कपरा झुकाके 'यहुदीन्के राजा सलाम' कहीके खिस्वैती, हाँस देला। आइने सक्कु जाने उहाँहि थुक देला ओ उहाँक हात मन्से गौलर अछोरके उहाँक कपारीम् मारदेला। अैसीक ओइने निर्लज्जा ओ निर्दयताके सँगे खिस्वाइती उहाँहि क्रुसमे टाँगकलक बाहर और लेके गैला।

आजकाल बहुत जाने नामके खीष्टियन बताँ, जे गिर्जाघरमे प्रार्थना कैके प्रभुभोजमे भाग लेके, परमेश्वरके भजन गाके ओ फेन अपन नैमजा काम (दुष्ट कार्य) ओर पालीक पाला अपन उद्धारकर्ता प्रभु येशूहे फेन क्रुसमे तङ्गती बताँ 'महीहे हे प्रभु हे प्रभु कहीके बोलैना सक्कु

Copyright ANGP

जाने स्वर्गके राज्यमे पैठे नैपैही लेकीन जे मोर मुअल बाबक इच्छा अनसार चली ओइने किल पैठे पैही,(मत्ती ७:२१–२७)।'

यी चित्रमे हम्रे एकथो पैसक थैली फेन देख्थी, जौन यहुदा इस्करयोतीके हो, जे प्रभु येशूहे धोखा देके ३० चाँदीक टुक्रामे बेचल काहेकी पैसक प्रेमसे ओकर मन बाँधल ओ मन आँधर रहीस्। लाल्तेम जन्जिर(साङ्गला) ओ सिपाही प्रयोग कैले रहीन्। जे येशूहे रातमे पक्रादेले रहें। पासा, जे अक्सर कैके जुवा खेल्ना काममे प्रयोग कैथा यी सिपाही प्रयोग कैके उहाँक भुलुवा (कपडा) मे चिठ्ठा दर्ला ओ अस्ते प्रकारसे परमेश्वरके भविष्यवाणीके शव्द पुरा हुई गईलबा, 'ओइने मोर लुग्गा आपसमे बत्ही ओ मोर (दौरा) सुरुवालमे चिठ्ठा दरही (भजनसंग्रह २२:१८) ओईने येशूके हरेक चिज लेला लेकिन् उहाँहे अैसिक कहती इन्कार कैला हमारीक उपर शासन करकलक यी मनै हम्रहीन् नैचाहीं।

साधारण रुपमे सक्कु मनै परमेश्वरसे सक्कु किसिमके आशिष पाइकलक इच्छुक बताँ। जस्ते हावा, पानी दिनके घाम। लेकिन ओइने अपनेहे परमेश्वरके अधिनमे रहक नैचाहथा। धेउर जनहन परमेश्वर केवल आपत्ति ओ निराशके समयमे सहायक बन्देलेसे पुग्जाई।

सिपाही येशूक कोखमे ओ हृदयमे भालाले गोभला 'ओ झत्ते ओम्नसे रगत ओ पानी निकरल'(युहन्ना १९:३३–३७)। मुर्गा बोल्नासे पहिले पत्रुस तीन चो इन्कार कैला लेकिन् पाछे छाती पीट–पीट रोके पश्चाताप कैला। का अपनी येशूहे अपन वचन ओ कामसे मन्जुर कैले बती ? कि मनैन्के आगे अपनीन्हे लाज लाग्थ ? येशू कहथा, 'यकरकारण हरेक जे मनैन्के सामने महीहे स्वीकार करी मै फेन उहीहे मोर स्वर्गमे रहलक बाबा (पिताक) सामने स्वीकार करैम, लेकिन हरेक जे महीहे मनैन्के आगे इन्कार करी, मै फेन उहीहे मोर स्वर्गमे रहलक बाबाक

आगे इन्कार करैम्' (मत्ती १०:३२,३३)। येशू यी फेन कहला, 'और जे अपन क्रुस उठाके मोर पाछे नै लागि ऊ मोर योग्यके नैरही' (मत्ती १०:३८)।

ओइने धन्यके बताँ, जे खीष्ट येशू', चट्टान(ढुङ्गा) मे नै हिलके ठर्‌ह्याइल बताँ।

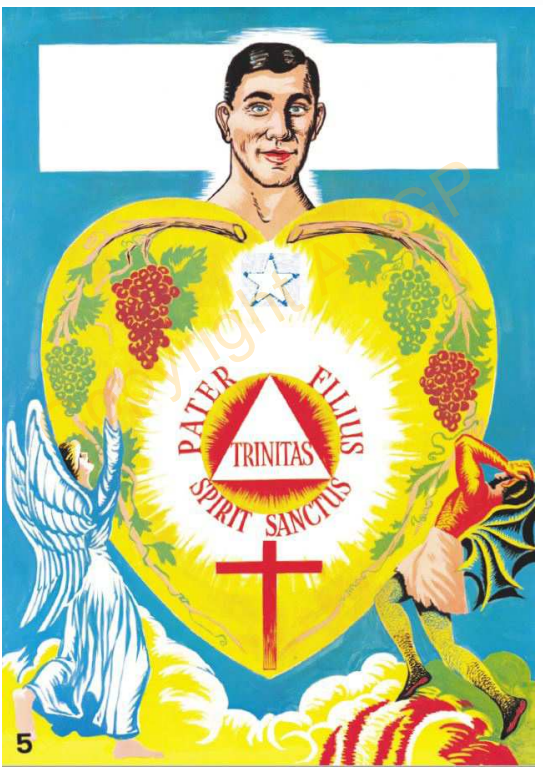

५ परमेश्वरके मन्दिर

पाँच नम्बरके चित्र : परमेश्वरके मन्दिर :-

परमेश्वरके प्रशस्त अनुग्रह ओ दयासे बचैलक सफा ओ पवित्र पर्लक एकथो पापी मनैक हृदयहे यी चित्रमे देखैले बा। यी हृदय(मन) आब परमेश्वर के सच्चा मन्दिर, परमेश्वर बाबा(पिता), छावा ओ पवित्रआत्माके बास कैना ठाउँ हुईल बा, जैसिक प्रभु येशू ख्रीष्ट प्रतिज्ञा(तपश्य) कैले रहित, 'केउ महीहे माया करी कलेसे, ऊ मोर वचनहे पालन करी, ओ मोर बाबा (पिता) फेन उहीहे माया कर्ही, ओ हम्रे उहाँकथेन अइबी ओ ओकर सँगे बास बैठही',(युहन्ना १४:२३)। परमेश्वर मनैन्हे मान कैके(आदरसाथ) आर्शिवाद देके उपर उठैही (लुका १:५२)।

आब यी हृदय परमेश्वरके् सच्चा मन्दिर हुइल बा, यहाँसे पाप निकारल बा। फटाहनके बाबा(झुटके पिता) शैतान सक्कु जनावर राज कैलक हृदयमे आब हम्रे पवित्रआत्मा, सत्यके आत्मा बास कैले देख्थी। पापके नैमजा(घृणित) बैठाईके बढतामे आब ओकर मन सुघ्घर फल देना रुखवा आ बगिया हुइल बा, जे आत्मक फारा फलाइथ, जस्ते प्रेम, आनन्द, शान्ति धिरज, दया, भलाई, विश्वस्तता, नम्रता, ओ अस्तेहे परमेश्वर ओ मनैन्हे मन पर्ना गुण हो। अब ऊ सच्चा अंगुरके फारा फलैना डाँठ हुइल बा जौन अंगुर हम्रे प्रभु येशू ख्रीष्ट हुइत। यी फारा फर्ना कारण यी हो कि ऊ ख्रीष्टमे बा आ ख्रीष्ट ओ उहांक वचन ओकरमे रही (यूहन्ना १२:१–१०)। पवित्राआत्मासे भरल ओ बप्तिष्मा पैलक सक्कु जाने आब शरीर ओ शारीरिक अभिलाषाक उपर विजय पइलक ओ पुरान मनुष्यत्व क्रुसमे चढैना समर्थ (मजुर) बा। पवित्रआत्माके शक्तिसे ऊ आत्मिक डग्गरमे नेंगना ओ शरीर उपर विनय पइना समर्थ हुईलबा। ऊ सुन्न, देख्न ओ अनुभव कैना बातचित अनुसार नै नेंगथा

Copyright ANGP

लेकिन विश्वासमे जीवन बिताइथ, कलेसे खीष्ट येशूमे विश्वास कैना नै विजय हो ।

'धन्य हृदयमे शुद्ध(सफा) रहना काहेकी ओइने परमेश्वरहे देख्ही' (मत्ती ५:८) । दाउद कना राजा अपन सक्कु धन सम्पति ओ बाहरके शत्रुक उपर विजय पाके फेन, यी थाहा पैला कि सवसे भारी युद्ध(लडाई) ते उहाँक अपन मन भित्तर चलल् रहीन् ओ अपन आन्तरिक आवश्यक्ताके महसुस कैती यी प्रार्थना कैला 'हे परमेश्वर मोरमे शुद्ध(सफा) आत्मा सृजा देउ ओ मोरमे भित्तर नयाँ कैके स्थीर आत्मा देउ',(भजनसंग्रह ५१:१०) । केउ फेन अपन हृदय(मन) अपनेहे सफा(शुद्ध) पारे ओ अपनेहे लावा आत्मा सृजे नैशेकी खाली दाउद राजक नन्हे परमेश्वरमे आके अपनमे लावा हृदय(मन) पाइकलक उहाँसे सच्चा पश्चातापके साथ प्रार्थना कैके किल हुई सेक्ना बात बा । परमेश्वर अपनीक जीवनमे लावा बात बतुवाईकलक उत्सुक(खुश) बताँ । आडम्बर (देखौती रुपमे) अपनिक अपन धार्मिक्ताके मैलाल फाटल कपडक भरमे अपनि्क हृदय(हृदयम) मे परमेश्वर बास बैठे नैसेक्ही । परमेश्वर किल अपनिन्हे सहायता करक तयार बताँ, काहेकी ऊ व्यक्ति उहाँ हुइत जे प्रतिज्ञा कैके कहला 'मै तुहिनके उपर शुद्ध पानि छितम जिहिसे तुहुरे शुद्ध हुइबो । अस्तेक तुहिनहे सक्कु अशुद्ध ओ मुर्तिसे शुद्ध पारम् । ओ मै तुहरिन्के हृदय(मन) लावा पारके तुहरिनमे लावा आत्मा उब्जैम् ओ तुहिन्के ढुङ्गक हृदय निकारके मासक हृदय देम । तब मै अपन आत्मा तुहरिन्मे दारके अइसिन बनैम कि तुहुरे मोर विधि मे नेगुइया बतो ओ मोर नियम मानके ओहे नियम अनुसार कैबो (इजकिएल ३६:२५–२६) । यहे नै लावा नियम के अर्थ हो, जौन कि परमेश्वर अपन छावा खीष्ट येशूके रगत से छाप लगैले बताँ ।

Copyright ANGP

हम्रे यी चित्रमे स्वर्गदूतहे फेन अैलक बताँ । स्वर्गदूत ओइनके सेवा करक लक खताईल बताँ । जे अनन्त जीवनके भागीदार हुइल बताँ । स्वर्गदूत परवमेश्वरके डर मन्ना मनैन्हे घेरके बैठल रहथा (भजनसंग्रह ३४:७,६१:११, दानियल ६:२८,मत्ती २:१३,१३:१९,१८:१,प्रेरित ५:१९,१२:७–१०) ।

हम्रे यी चित्रमे शैतान(भुतहे) फेन हृदयके लग्गे थरीह्याइल(उभिएको) देख्थी मानौं ऊ अपन पहिलक बैठलक ठाउँ फेन पैलक मौका पैइम कहीके आशामे बैठल बा । यकरकारण हम्रे आज्ञा पैले बती कि हम्रे सक्कु जाने जागके प्रार्थना करल कर्ना 'काहेकी हमारीक विरोधी शैतान किहीहे भेट्टाउ ओ लिललिउ कहीके गुरैना बाघहस् गुर्‍रैती खोज्थी नेंगथ'(१ पत्रुस ५:८) ।धेर पटक शैतान ज्यातिके दूतके रुपमे भेष बदल्के होशियार नैरहलक सेवकहे सांसारिक बासना ओ अभिलाषामे फँसाके अपन धुर्त्याइंमे छकाइथ, यहाँसम् कि विशेष चुनल मनैन्हे फेन धोखा देन कोशिष करथ । यदि हम्रे शैतानके सामना करबते ऊ हम्रहीन्से दुर भाग जाई (याकुब ४:७) ।

Copyright AWGP

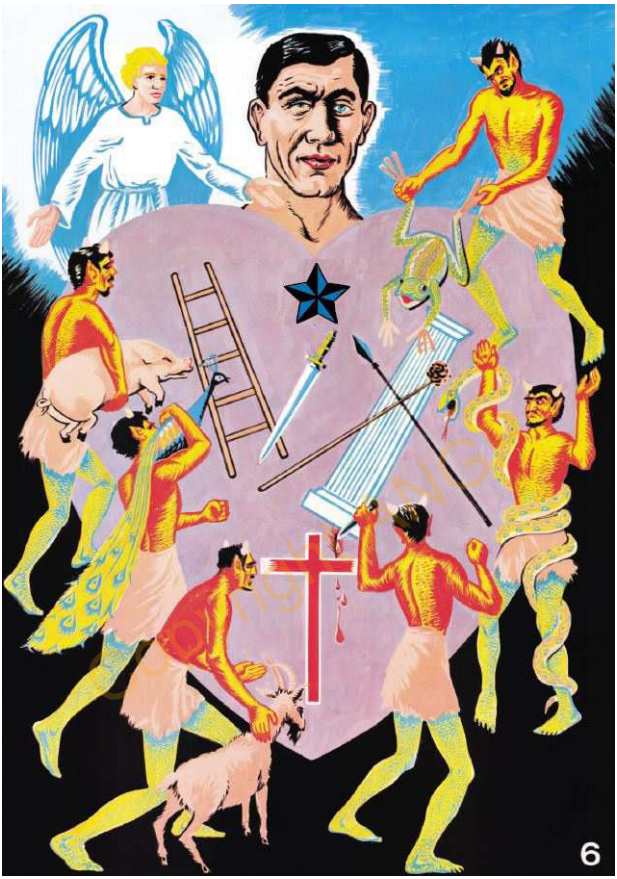

६ परिक्षमे परलक हृदय

छ नम्बरके चित्र : परीक्षामे परलक हृदय :-

यी एकथो विश्वास कैके छोरे लगलक मनैन्के दु:खदायी चित्र हो

। ओकर एकथो आँखी बन्द हुई लागल बा, जीहीसे ऊ खीष्टियन जीवनमे जुर हुइती गईलक बात बतैले बा, जब कि ओकर दोसर आँखी विना लाजके चारु ओर हेर्ति संसारके मायाप्रितिमे भुलैती बा । जेकर मन(हृदय) ओजार विना, अंध्यार हुइल बा ओ खीष्टके सँगसँगे दु:ख भोगक तयार हुइना, लक्षण हेरैती बतिस् । ओ ऊ आब खीष्ट सँग नेगँना तयार नै हो । ऊ समस्यामे घेरल बा, जेकर विरोध करक छोड्के ऊ धिरे–धिरे समस्या (परीक्षामे) विजय हुइती गइल बा । परमेश्वरके वाणी (वचन) सुनक छोड्के ऊ आब शैतानके नैमजा(धुर्तता) बात सुन्न ओर ध्यान लगाइथ, ओ ऊ अभिन धार्मिक्ताके पोषाक(लुग्गा) लगाके अपन ओकर मनमे परमेश्वर उपरके माया (प्रेम) धिरे–धिरे विस्रैती बा ।

ऊ दुई विचारके विचमे रुक्के दुइचित्ते हुइल बा । परमेश्वरहे माया कैलक बहानामे ऊ संसारसंगे प्रेमिलापमे लागथ ओकर मनमनके तोरैयक ओजरार, अँधार हुईल बतिस् । ऊ आब क्रुसहे मुस्करैती नैउठाइथ लेकिन ओकर जीवनमे एकथो वाक्क लगना नोदर भरुवा थपल बतिस् । ओकर विश्वास डगमगाइ लागल बतिस्, प्रार्थनामे परमेश्वर सँगे संगती, बातचित कैना बन्द बतिस् । अपन मनके अवस्थक हेलचेक्याइ ओ लापरवाही कैती धिरे–धिरे शैतानहे अपन हृदयमे बैठना ठाउँ (स्थान) देहति बा । ऊ सच्चा विश्वसिनके संगे भेटघाट कैना छोड्के सांसारिक भेटघाट(संगति) मे ज्यादा मोजमजा लेहक चाहथ ।

मजोरन्के आत्मा जौन घमण्डके चिन्ह हो । आब ओकर हृदयके भित्तर पैठक खोजथ । ऊ केवल अनुग्रहसे किल उद्धार पैले बत, यी बातहे भुलाके ऊ आब एकथो घमण्डी खीष्टियन बने लागथ् । शारीरिक विचार ओ बासना फेन ओकर मनमे आइलग्थीस् । ऊ फेन घुबुर–घुबुर नैमजा बात बातवाके हसैना(अनैतिक) फुहर–फुहर चित्र हेर्ना, खराब

Copyright ANGP

संगत कैना ओ अस्तेक नाच, प्रश्न कैके रमाइलो कैना आदिमे आनन्द ओ मजा मानके शैतानके खराब सल्लाह मन्ना सुरु करथ् जे यी कहथ, कि, यी ते स्वाभाविक बात हो, ओ अत्रे कैना, ते पाप नै हो ।

यी सत्य बात हो, कि शैतानके चिरैया ओ नैमजा(फोहर) विचार हमारीक कपारीक उपर उड्ना हम्रे रोके नैसेक्बी । लेकिन् हम्रे ऊ दुष्ट(खराब) चिरैयां हम्रे अपन हृदयमे थाँठ बनाइ देब ओ दुष्ट कामके बच्चा फोड्क देब कलेसे हम्रे येमे दोषी बनब । यदि हम्रे शैतानहे कानी अँगरीले किल देब कलेसे यी निश्चित बा कि ऊ हमारीक सक्कु हात पकरके हमार आत्माहे अनन्त नरकमे पुगइया बा । यकर ओर्से हम्रहिन्हे परमेश्वरके गम्भिर चेतावनी यी बा कि हम्रे जवानीके अभिलाषासे दुर भागी ओ यी जौन फेन रुपमे हम्रहिन्हे लोभवाइथ् । तबोफेन हम्रे यमे नैफसी । हम्रे येशूक थेन दौडी जे हमार उद्धारक ओ विजयी हुइत ।

चित्रमे देखैलक ऊ मनैया जे हृदय(मन)मे छुरियाले गोभति बा, खीष्टियन धर्महे मजाक कैना(ठट्टा कैना) ओ विरोध कैना मनैन्हे चिनाइथ । ओइनके यी दोष लगैना जिभ ओ खिस्वाइना ढेबरले खीष्टियन्के यी विभाजितहृदयमे दाबी करथ ओ मद्धत नैपाके ऊ हार खाई पर्थिस् । ऊ परमेश्वरसे ज्यादा डर नैमानके मनैन्के माने लाग्थ । ओ मनै का कहिही, कहना डरके ओर्से ऊ मनैनके दास हुइथ ओ परमेश्वरसे दुर हुइती जाइथ । आपत ओ निराश हुईल समयमे दुष्ट क्रोध ओ रीस लेके भित्तर पैठना जोड करथ । ऊ आउर जनावर अपनीन्से सफल ओ विजयी हुके ईष्याके यी दुष्ट साँप अपनिकमे देखा पर्के एक्कासी भित्तर पैठथ यदि अपनि एकघचिक किल मौका देबि कलेसे ऊ अपनिकमे घृणा ओ घमण्डके डवाँर खोल्दी ।

रुपिया पैसक लोभ देखाके यी अपनीक हृदयमे महामजासे यदि

Copyright ANGF

हम्रे येशूके चेतावनी ध्यान नैदेब कलेस, जब कि उहाँ कहथा,'जागल रहो, प्रार्थना करो, ओ परीक्षामे नपरो ।'(मत्ती २६:४२) यकर आर्से 'मै थर्हियाइल बतु कहना जे विचार करथ, ऊ होसियार रहे परथ, नैते ऊ गीरे सेकथ ।'(१ कोरिन्थी १०:१२) । हम्रे परमेश्वरके सक्कु हथियार धारण करी जीहिसे हम्रे शैतान्के विरोधमे खडॅा हुईसकेब (एफिसी ६:११–१२) ।

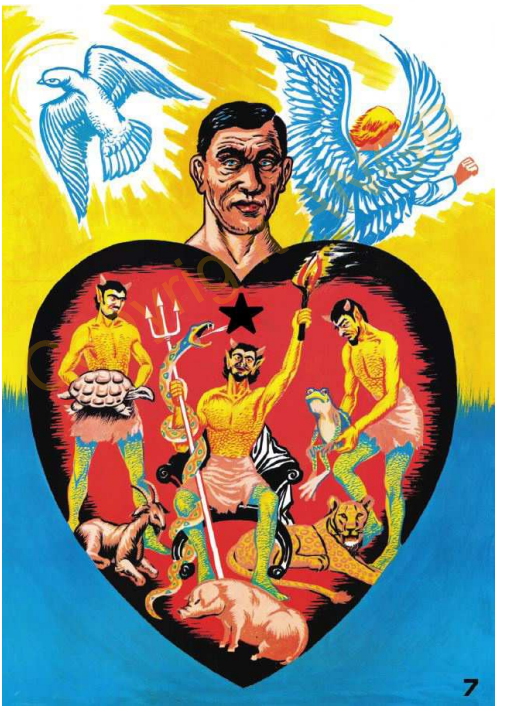

सात नम्बरके चित्र

सात नम्बरके चित्र · विश्वासमे पाछे हट्लक वा अपन मनहे ऑखर बनैलक :-

यी चित्र विश्वासमे पाछे हट्लक मनैन्के हृदयके अवस्था देखाइथ, जे एकचो खीष्ट येशूमे हुईलक मुक्तिके ज्ञान पाके, स्वर्गक आशिषके स्वाद चिखके ओ पवित्र आत्माके संगतिमे सहभागी हुके आब ऊ पतित् हुईल बा । यी चित्र ऊ मनैयक अवस्थाहे देखाइथ जे कब्बोफेन क्षमा मंगले नै हो, वा परमेश्वरमे अपन सारा हृदय(मन) नै देले हो । जे सुसमाचारके सत्यता जिहिहे 'मजा सन्देश' कही जाइथ, ओकर सामने निकरल रहे । ऊ मनैयाहे परमेश्वर सल्लाह दिहेबेर ऊ अपन हृदय(मन) हे ऑखर बनाइल, उही सुधारकलक जत्न कोशिष कैलेसे फेन ऊ झन्–झन् बिग्रती जाई । विश्वासमे पाछे हट्लक मनैन्के सम्बन्धमे येशू अपनेहे ओइनके अवस्थाके बारेमे बयान कैथा, जब उहाँ कहथा, 'जब अशुद्ध आत्मा(भुत लागल आत्मा) मनैन्के मनसे निकर जाइथ, तब ऊ कुछनै बिछाइल ठाउँमे आराम करे खोज्थ । ओ नै पाके मै निकरके अइलक मोर घरमे घुम्के जइम कहीके कहथ । ओ आके ऊ ठाउँ बढार्के सजाइल भेटाइथ । तब ऊ जाके अपनसे ज्यादा दुष्ट आउर सात थो आत्माहे अपनसँगे नानथ, ओ ओइने पैठके ओहे ठाउँमे बास कैथा, औ ऊ मनैयक पाछक हालत आघकसे ज्यादा बिग्रल बतीस्' (लुका ११:२४-२६) । यी सत्य काहाई अनुसार ओइनहे यी कहल बा, कि 'कुकुर ओकलाके अपन ओकलास खाइ लागथ ओ लाहा देलक भुलाके फेन हिलाम् लोतके खेले लागथ'(२ पत्रस २:२२) ।

बाइबल धर्मशास्त्रके यी अंश हो विश्वासमे पाछे हट्लक ओ पश्चाताप नै कैलक पापी मनके अवस्था प्रस्त रुपमे बतइथ । पाप अपन सक्कु मेरके धोखेबाजीके सँगे हृदयमे रहथ । और राज करक आइल बा

Copyright ANCB

। यहाँ सम्की ओकर अनुहार (चेहरा) से फेन ओकर हृदयके अवस्था प्रकट करथ । पवित्रआत्मा ऊ नरम कुटरियाईहे फेन हृदय छोडे कर लग्थीस् काहेकी पाप औ पवित्रआत्मा संगे–संगे रहे सेकना बात नै हो, यी असम्भव बा कि हृदय एक्के चोतीमे परमेश्वरके मन्दिरमे ओ भुतनके ओडार बने सेकी । यहा स्वर्गदूत, परमेश्वरके वचनसे खेद संगे ऊ ठाउँ मन्से अलग हुइक परल बतिस् । तब्बो फेन ऊ मनैया फेन पश्चाताप करी कि कहीके आशामे पाछे ओर घुम्के हेरल करथ । जैसिक भागल छावा करल,' मै उठके अपन बाबक थेन जइम ओ उहाँहे कहम, 'हे बाबा, मै स्वर्गक विरोध ओ अपनिक हेराईमे पाप कैले बतुँ, अब मै अपनिक छावा हुँ कहना लायक नै हुँ, मही अपनिक मजुरी कर्ना नोकरन नन्हे सम्झी ।' यी बाबा अपन छावक पश्चातापी हृदय देख्के क्षमा करदेथा ।

लेकिन यी चित्रमे हेर्बो ते थाहा हुइथ कि यी हृदयमे कौनो सच्चा पश्चातापके चिन्ह सम फेन नै हो । केउफेन परमेश्वर ओर घुमल नै हो, ओ केउफेन येशूके चरणमे आके क्षमक लक असरा लागल नै हो । ओकर बुद्धिमे नै अइसीन बतीस् कि तातुल लोहसे दागके चुपचाप (चिमचाम) पारल बा । ओकर थेन कानते बतीस् लेकिन येशूके नरम ओ सज्जन बातहे ऊ सुने नै सेकथ । ओकर थेन आँख ते बतिस् लेकिन ऊ नरकके धेर होम कैना ठाउँ वा खोल्टाहे (कुण्डलाइ) देखे नैसेकथ, जौन उहीहे खाइकलग ओकरे गोरा थेन मुह बाइले बतिस् । उहीहे आब पाप कैनोमे कौना सर्म नैहुइस काहेकी शैतान आब ओकर हृदयमे राज करे आइल बतीस् और ओकर मनमे(सिंहासनमे) राजा हुके बैठल बतिस । यी सम्भव बा कि ऊ अभिन बाहरके धर्ममे देखे ऊ अपनहे एकथो भला ओ आदरणीय मनै बन्नलक महसुस करथ । लेकिन ऊ

Copyright ANGF

चुनसे पोतल चिहान जैसिन बा । 'जौन उपरसे खोब सुग्घर बिलगाइथ लेकिन भित्तर मुअल मनैन्के हड्डी ओ सक्कु नैमजा(अशुद्ध) चिजसे भरल बतिस् ।'(मत्ती २३:२७) ।

यी मेरके फटाहन् (झुठा)के बाबा शैतान सत्यके आत्मा अथवा येशू मसिहके जगहमे कब्जा कैके बैठल बा । हरेक जनावर पापके प्रकट करथ जौन आब विशेष दुख देना आत्माके संगे ओकर हृदयमे अधिकार जमैले बतिस् ।यद्यपि ऊ अपनहे यी दुष्ट आतंककारिनसे छुट्कारा पाइक चाहथ लेकिन उहीहे ऊ दुष्टआत्मा बाँधके रखले रथिस् । 'अब मोशाके व्यवस्थाहे लत्याइना मनै, दुई ओ तीन जाने गवाही सुनके दया नैपाके मुजैथा । ते सोचविचार करी कि परमेश्वरके छावाइहे गोराले डब्ना ओ अपनहे शुद्ध परलक रगतहे अपवित्र गन्ना, ओ अनुग्रहके आत्माहे अपमान कैना झन कत्ना भारी दण्डके योग्य ठहरी ।'(हिब्रु १०:२८,२९) (२ पत्रस १:१४) ।

प्रिय सघारिनके, यदि यी तस्विर (फोटु) अपनिक हृदयसे मिलथ कलेसे, अपनी भित्तरके हृदयसे परमेश्वरहे पुकारि,'उहाँ किल अपनीन्हे पुरा रुपमे उद्धार करे सेकही ।' यदि अपनी सच्चा पश्चातापके आत्मासे उहाँक थेन अइबी केसे उहाँ अपनिक सक्कु पाप क्षमा करक तयार बताँ । यदि अपनी उहाँहि अपन सक्कु काम देह इच्छुक बति कलेसे उहाँ शैतान ओ अन्धकारके सक्कु सेनाहे बाँध्के ओ ओइनहे अपनिक हृदयसे बाहर निकारक लग तयार बताँ । अपनीफेन ओहे कोठी मनैयक नन्हे अइबी कलेसे, जैसिक ऊ कोठी मनैया येशुक थेन आके कहल, 'अपनी इच्छा कर्बी कलेसे मही मजा पारे सेक्बी ।' येशू उत्तर देके कहला कि, 'मै इच्छा कर्तु तु मजा हुजाउ'(मर्कुस १:४०,४१) । लेकिन यदि अपनी अपन हृदयहे आँखर परति जइबी ओ उज्जरारसे अन्धारहे धेर मन परैथी

Copyright ANGF

कलेसे अपनिक जीवनमे कौनो आशा ओ सहारा नैहुई, कारण यी बा कि अपनी जीवनके बदला मृत्यहे रोजले बती, 'काहेकी पापके ज्याला मृत्य हो' (रोमी ६:२३)।

८ पापी मनैयक दण्ड (सजाय)

आठ नम्बरके चित्र : पापी मनैयक दण्ड(सजाय) :-

यी चित्रमे हम्रे अल्याङ्ग–टल्याङ्ग कैति घुम्ना पापी मनै ओ विश्वासमे पाछे हट्टी गईलक मनैया, मूना अवस्थामे पुगल देखबी, ओकर सारा शरीरके व्यथा(दुखाई)से ओकर आत्मा मूनाके डरसे भरल बतिस्। मृत्यु अपरझत नै सोचल समयमे आ पुग्लिस्। पापसे खेललक थोरचुन समय मे किल मोज मस्ती ओ आनन्दके धोखा देना जीवन बित्ती जाइतिस्। पापके पहिलक दशा अपन मजुरी रुपमे बदलथ्, जेकर ऊ आब सामना करे पर्थिस्। नरकके दुख(पिडा) अपन शिकारके उपर हग जमैलेबा, ऊ परमेश्वरसँगे प्रार्थना करेते चाहना बतिस् लेकिन परमेश्वरके प्रेमहे ऊ अत्ना धेर समयसम् लात मर्लक ओरसे परमेश्वर संगक ओकर भेट(संगति) हुई नैसेकी। ओकर पहिलक सघारियन आब ओकर (मृत्य सैय्याक) थेन ठहर्याईक फेन डराइथ ओ ओइनके खाली वचनसे किल सान्त्वना फेन मिले सेक्थिस्। ऊ जीवनभर मर–मर कमैलक सम्पत्तिसे नते ओकर आय बढहिस् न ओकर प्राण बचैहिस्, नते ऊ पिडित आत्मासे उही कौनो आराम मिल्थिस्। उहीहे आब परमेश्वर पर एकाग्रचित धारक असम्भव बा। काहेकी शैतान उहीहे अइसिक कैना मौका नै देम।

हर एक चिज जिहिहे ऊ प्रेम करे ओ ओकर लक जिए। ओहे बातचितसे आज उहीहे खिस्वाइक महसुस करथ। यहाँसमकी ओकर अविश्वासनीय, शायद अपरिवर्तनीय बर्दिहवा(गोठालो) फेन उहीहे मद्दत करे नैसेकल। उहीहे आव यी महसुस लगहीस् कि, 'जिवित परमेश्वरके हात मे पर्ना डरलग्ना बात हो' (हिबु १०:३१)। ऊ आशा कैले रहेकी कौनो दिन सुविधा हुइलक समयमे अथवा मृत्य शैय्यामे कहलेसे फेन परमेश्वर सँगे अपन हिसाव मिलाइथ कहिके, लेकिन उही हे थाहा

Copyright ANGP

हुइथिस् कि आब यी बिरकुल ढिला हुइति बा, ओ आब कुछ फेन करे नैसेकजाइ । हजारौं मनै अचानक मर्था ओ ओइनहे अपन अक्को नै मौका मिलथ जहाँ आइने परमेश्वरहे खोजे सेकित् । यकरकारण यी जरुरी बा, कि ऊ परमेश्वरहे खोजधारी जब कि ऊ पाइसेकि । परमेश्वरके शान्तिपूर्ण और बचैना वालन्के बात सुनके छोड्के मुये लगलक पापी मनैयक बात सुने लागथ । 'ए श्रापल मनै, शैतान ओ ओकर सघारियन दूतके लग तयार पारल दमकल आगीमे मोर थनसे हत्जा' (मत्ति २५:४१) । काहेकी मनैन्के लग एकबेर मुना ओ ओकर बाद न्याय हुइना निश्चित बा, (हिब्रु ९:२७) ।

Copyright ANGP

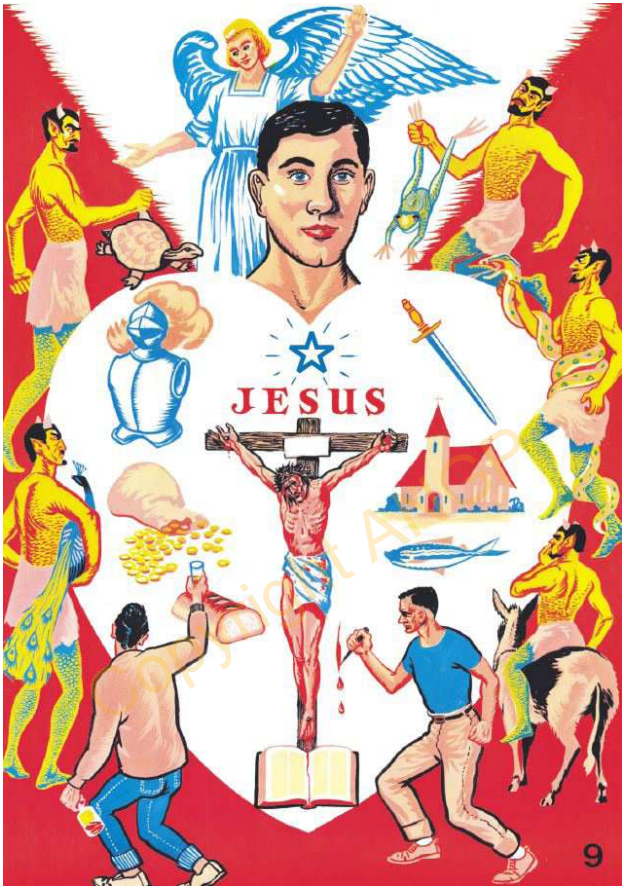

९. विजय हृदय

नौ नम्बरके चित्र : (विजयी हृदय)

यी चित्र एकथो खीष्टियन् जीवनमे कर्रा परीक्षा ओ जाँच आइबेर

फेन सहती ओ जीत्ती गैलक देखैले बा । जब कि चारु ओरसे उहीहे परीक्षासे घेर्ले बतिस्, ऊ हर अवस्थामे स्थीर हुके अन्तिम सम् सहके खीष्ट येशूसँगे विजयीसे फेन विजयी हुइती जाइथ ।ऊ केवल खीष्टियन् दौडमे भर्ती हुइलक किल नै हो । लेकिन ऊ यमे भिरके धिरजसे दौडति बा, नाते ऊ दाहिन ओर घुमल बा ना बायाँ ओर लेकिन केवल 'विश्वासके कर्ता ओ सिद्धकैना येशूहे किल हेरथ '(हिब्रु १२:१,२) शैतान अपन सक्कु सिपाहिनके सँगे, विश्वासी हृदयहे चारु ओरसे घेरके विश्वास मनसे दुर कैना कोशिष कैती बा । घमण्ड नान्के, पैसाके लोभ देखाके, रन्डीबाजी कैना ओ अस्ते आउर बातफेन यहाँ देखैले बा । चित्तर के ठाउँमे अब्बे हम्रे यहाँ गधाहे देखती, काहेकी धेर चो पाप हम्रहीन्मे धेउर रुपमे देखाई परथ लेकिन जागल खीष्टियन् कब्बोफेन पाप धार्मिक्ताके पोशाकमे ओ ज्योतिके स्वर्गदूतके रुपमे प्रकट हुइलसे फेन चिन्हे सेकजाइथ । काहेकी परमेश्वरके वचन ओ सत्यके आत्मा उहीहे सक्कु सत्यतामे डोर्याइले बतीस् । धेउर जनावर मन्से हम्रे यहाँ एक जाने मनैया दारु रहलक गिलास हातमे लेके नचलक फेन चित्रमे देख्थी । जे ऊ विश्वासीहे संसारके मोजमजामे भुलवाँके, परीक्षामे फसाके गिरैना कोशिष कर्ति बा । तब्बो फेन परमेश्वरमे भरोसा कैना खीष्टियनके उपर यकर कौनो असर नै परथिस् । काहेकी वास्तवमे ऊ अपनहे पाप ओ संसारके नैमजा चिज येशू खीष्टके संगेसंगे क्रुसमे चढाइल बा । यी चित्रमे दुसर मनैया येशू खीष्टहे छुरियाले गोभे जइति बा, नैमजा शब्द बोल्न, विश्वासमे पाछे हत्ना, मजाक उडैना और खीष्टके विरोधी शत्रुनसे डर धम्की देना और मुहक किल खीष्टियन सज्जन खीष्टियन्के लक हृदयमे छुरिया गोभल जस्ते बा । लेकिन ऊ संसारके नैमजा चिज मुगैलक ओरसे

Copyright ANGP

मनैन्के बातमे नही लेकिन परमेश्वरके बातचितमे ज्यादा ध्यान देहथ। ऊ येशूक कहलक बातचित सोचे लागथ। 'धन्य हो तुहुरे, जब मनै मोर कारण तुहिन सतैंही ओर हर किसिमके खराब बात तुहिनके विरोधमे बोल्ही, तब्बो फेन तुहुरे रमाओ ओ महाजोर खुशी होओ, काहेकी स्वर्गमे तुहरिहिनके इनाम महाभारी मिली '(मत्ती ५:११,१२)।

पाप शरीरके स्वार्थ ओ शैतान ऊ विश्वासीहे परमेश्वरके प्रेमसे अलगे पारक कोशिष कर्ति रहथ। लेकिन ऊ धेउर आनन्द और पूरा भरोसाके संगे सच्चे ऊ कहे सेकथ। 'के हम्रहिन् खीष्टके प्रेमसे अलग करे सेकी ? का संकट या शरीरके बेदना या अनिकाल या नाङगे, खतरा वा तरवालसे ?(रोमी ८:३५)। 'अहँ यी सक्कु बातचित हम्रहिन् प्रेम कैना परमेश्वर हम्रहिन विजयसे फेन बढ्ता बतो' (रोमी ८:३७)। परमेश्वरके सक्कु हथियार लेके ऊ आपतके दिन मे ऊ खडा हुइल बा, ओ खीष्ट येशूसे सक्कु परीक्षा ओ जाँचमे विजय प्राप्त करके ऊ नै विजय हुके महिमाके मुकुट फेन पैने बा।

लेकिन ओकर बुद्धि आब सफा ओ चमकन्हा बतिस। ओकर हृदय विश्वास ओ पवित्रआत्मासे भरल बतिस्। ओकर उपरके स्वर्गदूत परमेश्वरके वचनसे, उहि देहलक धेर मुल्यक प्रतिज्ञाके याद देहथ, जौन उही देजाइथ जौन विजयी हो, और अन्तसम् धिरज रहथ। 'जे जिति उहीहे परमेश्वरके स्वर्गमे हुइलक जीवनके रुखवक फारा मै खाई देम।' 'जे जिति, उहीहे दोसर मुनासे कौनो हानी नैहुई।' 'जे जिति, उहीहे गुप्त मन्न मेसे देम ओ मै उही एकथो उज्जर ढुङ्गा देम, उ ढुङ्गामे एकथो लावा नाउं लेखल रहथ जौन पउइया मनै बाहेक दोसर केउफेन यी नैजानथ।' 'जे जिति और मोर कामके अनुसार अन्तसम् कर्ति रही, मै

उही जातजातकें मनैन्के उपर अधिकार देम, जे जिति उहीहे अैसिक उज्जर कपडा घलादेम ओ मै कौनो रितले फेन ओकर नाउँ जीवनके किताब मनसे मेटाइ नैसेकम, मै ओकर नाउँ मोर बावक थेन ओ उहाँक रक्षा कैना मनैन्(दुत)के सामने स्वीकार करम ।' 'जे जिति, उहीहे मै मोर परमेश्वरके मन्दिरमे एकथो खम्बा बनैम् और उहफेर कब्बो फेन बाहर निकरे नैपाई ।' 'जे जिति, उहीहे मै मोर राजदरबारमे अपनसँगे बठैक देम, जैसिक मै फेन जित्लु और मोर बाबाक सँगे उहाँक राजदरबारमे बैठल बर्तुं '(प्रकाश २:७, ११, १७, २६, ३:५, १२, २१) ।

पैसाके उ खुलल थैली यी बात बताइथ कि ऊ अपन हृदय(मन) किल नहि लेकिन पूरा अपन धन–सम्पत्ति फेन परमेश्वरहे सौप देहथ अपन संसारीक धन–सम्पत्ति बरबाद पर्नाके बदला ऊ गरिवनहे फेन परमेश्वरके महिमा हुइना काममे खर्च करथ ।

रोटी ओ मछरी यी बात बताइथ कि ऊ एकथो शुद्ध, पवित्र, और संयमी जीवन जिएथ । ऊ नशा पिके वा रगत खाके वा घेंचा दाबके मरलक शिकार खाके अपनहे अपवित्र नैकरथ ।ऊ अपन पैसा वा धन–सम्पत्तिके बरबाद नैकरथ नाते अपन शरीरहे(परमेश्वरके मन्दिरहे) पान, बेडी, सिक्रेत पिके वा नशा कैना विरुवा लगाके अपन शरीरहे अशुद्ध पारथ लेकिन तागत चिज, शुद्ध(सफा) ओ पोस लगना भोजन फेनकरथ । ओकर अपन हृदयहे प्रार्थनाके घर बनैले बा । जौन अवस्थामे ओ वातावरणमे फेन ऊ चर्चमे आराधना करे आदरपूर्वक कब्बो नैबिराके जाइथ । ऊ प्रार्थनामे भाग लेहक मन पराइथ चाहे घरमे, चाहे परिवारमे, चाहे अपन कोठामे काहेकी उहीहे थाहा बतिस् कि एकथो खीष्टियन् जीवन प्रार्थनामे परमेश्वरसँगे संगति नैकैके तिगे नैसेकथ ।

Copyright ANCP

खुल्ला हुईल किताब यी बात बताइथ कि बाइबल धर्मशास्त्र ओकरलक सक्कु दिन खुल्ला रहना किताब हो, और उ रोज पढ्के अध्ययन् करथ और बुद्धि,सम्झनाशक्ति, बल, जीवन, ओजरार और गने नैसेक्ना धन सम्पती पाइथ। वचन आब ओकर गोडक बत्ती ओ तरवाल हुइल बतिस, जे अपन दुष्टमनके उपर विजय करथ। यी ओकर रोज दिनके भोजन हो, जो आत्माके लक हो। यी अइसिन पानी हो, जौन ओकर आत्मिक प्यास मेटाइथ और यी एकथोर ऐना हो, जेमे उ अपनहे अपनेहे देखथ्।

ऊ अपन क्रुस उठैनामे माया करथ्, काहेकी उहीहे थाहा बतिस् कि क्रुस विना मुकुट नै हो। उहीहे थाहा बतिस कि ऊ ख्रीष्ट येशू संग-संगे जीवनके लावा रुपमे बौरी उठल बा, ऊ आब उपरके बात खोजे लागल, जौन अनन्त समयसम् बनल रही। ऊ परमेश्वरहे् भेटकलक एकदम तयार बा ओ ऊ ओइसीन रुखवा जैसिन बा, जौन पानीक लग्गे लगाइलबा। ऊ रुखवा धेउर धेउर फारा फराइथ, सच्चे अंगुरके डाँठह् अपन मौसममे फारा फराइथ। ओकर हृदय आब पवित्रआत्मा परमेश्वरके सिद्ध प्रेमसे भरलक ओरसे उहीहे मूना डर नै लग्थिस्।

Copyright ANCP

१० महिमा कैलेक ओर्से स्वर्गमे जैना

दश नम्बरके चित्र : महिमा कैलक ओर्से स्वर्गमे जैना :-

येशू कहला, 'मूके फेन जिना मनै मै हुँ, मही विश्वास कैना मनै मूलेसे फेन जिने बा ओ मही विश्वास कैना मनै कब्बो फेन नैमूई।' (युहन्ना ११:२२,२६)। 'जे मोर बात सुनी ओ मही पठुइयै विश्वास करी ओकरलक अनन्त जीवन बतिस्, और ऊ इन्साफमे नैपरी, लेकिन मूके फेन जीवनमे सर राख्थी '(युहन्ना ५:२४)। खीष्टियनमे मुनक कौनो डर नैरहथ। 'मूना(मृत्य) विजयमे निलगइल। ए मूना(मृत्य) तोर विजय कहाँ बा ? ए मूना, तोर खील कहाँ बा ?....लेकिन परमेश्वरहे धन्यवाद हुई, जे हम्रहिन् हमार प्रभु येशू खीष्टसे विजय दिही'(१ कोरिन्थी १५:५४,५७)।

ऊ मनैया जे परमेश्वरके सँगे बैठल बा ओ नेङ्गले बा, उहीहे मूनक डर नैहुइस। जब ओकर यी संसार छोड्ना समय अैहिस तब ऊ खुशीसे जाई, जैसिक पावल प्रेरित कहथा,'जाके खीष्ट सँगे रहना इच्छा ते बा, काकरेकी यी महा असल बा'(फिलिप्पी १:२३)।

ऊ खीष्टियन् येशूक अनुहार(चेहरा) हेरक चाहथ, जौन ओकरलक क्रुसमे मूला ओ उहीहे उद्धार कैला। पवित्रआत्मासे फेन उहीहे येशूक वचनके याद अइथिस् कि, तुहिनके हृदय(मन) दुखित नैहुई, तुहुरे परमेश्वरहे विश्वास कर्थो, मही फेन विश्वास करो'(यहन्ना १४:१)। 'आँखीले नैदेखलक ओ कानसे नैसुनलक और मनैन्के मनमे नैरहलक, अइसिन जौनफेन बात परमेश्वरहे प्रेम कैना मनैन्के लक तयार पारल बा' (१ कोरिन्थी २:९)। पृथ्वीमे कौनो अइसीन योग्य भाषा नै हो, जे स्वर्गीय ठाउँके महिमाके बयान करेसेकी जौन ठाउँमे यी संसारमे हमार प्रभु खीष्ट येशूके सँगेसँगे नेगकलक तयार पारल बा।

डरलकतिक मृत्यके सट्टा एक स्वर्गदूत यी अन्तिम चित्रमे देखैले बा। उह धर्मी ठहरलक आत्माहे परमेश्वरके थेन जाइकलक हसियैति

Copyright ANGP

बा,आब ओकर प्राण ओ आत्मा मरल शरीर मनसे निकरके खुलल् द्वार ओर्से स्वर्गमे अपन प्रभु येशूक थेन मिलकलक उप्पर जाइथ। ऊ अपन प्रभुसे प्रेम करथ, निकरके खुलल् डवाँर ओर्से स्वर्गमे अपन प्रभु येशूक थेन मिलकलक उप्पर जाइथ ऊ अपन प्रभुसे प्रेम करथ, उहाँक लक यी पृथ्वीमे जिएल ओ मरल फेन। परमेश्वरके उपस्थितिमे ओकर आनन्दसे स्वागत कैजाइथ। जहाँ ओकर प्रभुक प्रशंसित शब्दसे अभिवादन कैजाइथ, 'धन्य असल ओ विश्वासयोग्य नोकर तै एकदम थोर चुनमे विश्वासयोग्य रहले, आब मै तुही धेर चिजके अधिकार देम ओ अपन मलिकवाक संगेसंगे खुशी हो'(मत्ती २५:२१)। आब ओकर उपर शैतानके शक्तिक कौनो जोड नै चल्हिस्। काहेकी, 'परमेश्वरके भक्तन्के मृत्यु (मूना) उहाँक हेराइमे अनमोल बा' (भजनसंग्रह ११६:१५)।

'और मै स्वर्गमन्से अैसिन आवाज सुन्लु कि, लिखल बा, जे मूके फेन जियल प्रभुमे विश्वास कैके मरल ऊ धन्यके बा, आत्मा कहथ कि ऊ अपन परिश्रमसे आराम पाइ, काहेकी ओइनके काम ओइनके पाछे लागल रहहीन्' (प्रकाश १४:१३)।

Copyright ANGP

अन्तिमके उपदेश

प्रिय पाठकलोग, परमेश्वर अपनिन्हे सहायता करही कि अपनी अपन सारा मन उहाँकमे देहे सेकी, जे अपनीन्हे माया(प्रेम) करथ, काहेकी उहाँ अपनीन्से विनय करके कहथ, 'हे मोर छाई, छावनके तुहुरे अपन मन मोर ओर लगाउ' (हितोपदेश २३:२६)। अपनी अपन थाकल, निराशपूर्ण ओ दुखित मन येशूहे देउ ओ उहाँ अपनिक भित्तर लावा मन ओ लावा आत्मा भर दिही। अपनी अपन धोखापूर्ण मनके अभिलाषा ओ इच्छा अन्सार चलके अपनहे धोखा नदेउ, काहेकी, ' जे अपन मनमे भरोसा राख्थ ऊ मूर्ख हो, लेकिन जे बुद्धिसे नेगथ ऊ बचा जाइथ' (हितोपदेश २८:२६)। अपन पापहे त्यागके, परमेश्वरके धार्मिक्ता खोजके उहाँकमे रहना, 'काहेकी पापके ज्याला मृत्यू हो, लेकिन परमेश्वरके वरदान हमार प्रभु येशू ख्रीष्टमे अनन्त जीवन बा' (रोमी ६:२३)।

अपनी, जे अपन जीवनहे परमेश्वरके हातमे सौंप देलेबा, 'अपनी सुनले हुइबी विश्वास ओ प्रेम (माया) केवल येशू ख्रीष्टमे किल बा, अपनहे आदेश बनाके रख्ले रहो काहेकी यकरकारण पावल प्रेरित (२ तिमोथी १:१२) मे अैसिक बतैथा, 'काहेकी मै केकर उपर विश्वास कैले बतु, ऊ मै जान्थु, ओ मै निश्चय बतुँ, जौन बात फेन मै उ दिनके लक उहांहे सुम्पले बतु, उ सुरक्षित कैके धारे सेक्ना उहाकिल हुइत।' यी पवित्र विश्वासमे अपनहे स्थीर रख्ले रहना, पवित्रआत्मामे प्रार्थना कैना, अपनहे परमेश्वरके प्रेममे धैना, ख्रीष्ट येशूहे किल हेरके जौन डगर सत्य ओ जीवन हो ओ हमार प्रभु भट्टे अपन मायालु विश्वासीहे लेहे अइति बतौं, जे राजानके फेन राजाओ प्रभुन्के फेन प्रभु हुइत।'

'आब उहाँहि, जे तुहिनहे ठेस लागे बेर रक्षाकरी ओ उहाँके महिमाके सामने तुहिन अत्ना आनन्दके सँगे निर्दोष करके खडा करे सेकही अथावा अद्वितिय परमेश्वर मुक्तिदाताहे हमार प्रभु येशू ख्रीष्टसे, महिमा, पराक्रम ओ शक्ति पहिलेसे आजसम् ओ सक्कु दिनसम् हुइ' (यहुदा २४,२५)।

यदि अपनी यी सम्बन्धमे आउर धेर जानक् चाहती क्लेसे
यी ठेगानामे पत्रचार कर्बी।

शुभ-सन्देश
पो.ब.नं. ४७, नेपालगन्ज, बाँके
फोन. नं. ०८१ - ५२६२०७ (नेपाल)

COPYRIGHT
ISBN 1-919852-39-5

Copyright AIVGP

A SPECIAL WORD FROM ANGP
UN MONDE SPÉCIAL DE L'ANGP
UMA PALAVRA ESPECIAL DA ANGP

This booklet "The Heart of Man" is available in over 538 languages and dialects spoken throughout the world (Africa, Asia, The Far East, South America, Europe, etc.) Our Heart Book is now also available on cell phones, tablets, etc from www.angp-hb.co.za or as an APP "Heart of Man" on Android phones.

Le livre du "Coeur de l'homme" peut etre obtenu en plus de 538 langues et dialectes parles dans le monde entier, a savoir: Afrique, Amerique, Asie, Extreme Orient, Europe. Notre Livre du Coeur est maintenant aussi disponible sur votre Telephone cellular, plaques, etc. de www.angp-hb.co.za ou comme une Application "Heart of Man" sur telephones Android.

Este livro "O Coracao do Homem" e obtfdo em mais de 538 linguas e dialectos falados em todo o mundo, a saber: (Africa, Asia, America do Sul, Extremo Oriente, Europa, etc). O nosso Livro O Coração do Homem tambem esta agora disponivel em telefone celular, tablets, etc. de www.angp-hb.co.za ou como um aplicativo "Heart of Man" nos telephones celulares Android.

Copyright ANGP

The 10 heart pictures contained in this booklet are also available in the form of large coloured picture charts (86 x 61cm) bound together in a set of 10 pictures. These "Heart Charts" can be obtained with European or African features and are particularly suitable to be used in conjunction with the Heart Book for class-teaching, open air evangelization etc. Kindly contact us to ascertain the latest subsidized price of this chart.

Les 10 images du coeur qui figurent dans ce livre peuvent etre obtenues en tableaux de couleur, format 86 x 61 cm, avec des physionomies europeennes ou africaines. Ils peuvent etre utilises en meme temps que le livre du coeur pour des classes bibliques, a

l'ecole du dimanche ou lors de reunions de plein air. Soyez aimable de nous contacter pour assurer les derniers prix en cours du tableau.

As 10 imagens do coracao, contidas neste livro podem ser obtidas num conjunto de 10 imagens em colorido no tamanho de (86 x 61 cm). Estes "Cartazes do Coracao podem ser obtfdos com caracterfsticas Europeias e Africanas e podem ser usados em conjuncao com o mesmo livro em classes de ensino biblico, evangelizacao ou ao ar livre. Agradeciamos que nos contacta- se para confirmacao do ultimo preco dos cartazes.

Kindly write to us if you are able to assist us with further translations of our free Gospel literature, informing us of the language into which you could translate this Gospel literature. Your assistance would be appreciated.

Copyright ANGF

If you have found salvation in Christ, or have been otherwise blessed through our Gospel literature, please let us know. We would like to thank God with you, and remember you further in our prayers.

Nous vous invitons a nous contacter pour faire des arrangements concernant de nouvelles traductions de notre litterature, nous informant de la langue dans laquelle vous pouvez traduire cette litterature evangelique. Votre aide sera beaucoup appreciee.

Si vous avez trouve le salut en Christ ou si vous avez ete beni par notre litterature, nous vous prions de nous le faire savoir. Nous aimerions remercier Dieu avec vous et prier pour vous.

Nos vos convidamos a nos contactar, afim de fazer qualquer arranjo concernente a novas traducoes de nossa literatura em outras lfnguas. Vossa assistencia sera muito apreciavel.

Se tem encontrado a salvacao em Cristo, ou se tem sido abencoado por intermedio da nossa literatura evangelica, faca o favor de nos

informar. Pois nos gostarfamos de agradecer a Deus juntamente convosco, e lembra-lo sempre em nossas oracoes.

For free Gospel literature, books and tracts in over 538 languages, write to:

Pour obtenir gratuitement de la litterature evangelique, des livres et des traites en plus de 538 langues, ecrivez a:

Para obter gratuftamente a literatura evangelica, livros e folhetos em mais de 538 lfnguas diferentes escreva para:

ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS
P.O. Box 2191
PRETORIA
0001
R.S.A.

info@angp.co.za

Copyright ANGP

A Gospel Literature Mission financed by donations
Une Mission de litterature evangelique financee de dons
Missao de literatura Evanqelica financiada por donativos

(Reg. No. 1961/001798/08)